RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:209 ता. 04 फरवरी 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आज का सुविचार

फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना,
क्योंकि इस बार सुरूवात शून्य से नहीं अनुभव से होगी।

दिल्ली HC का एऊ को जब्त सामान लौटाने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली HC का एऊ को जब्त सामान लौटाने का आदेशःकहा- 365 दिन में आरोप साबित नहीं होता तो सामान उसके मालिक को सौंपा जाएदिल्ली हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा- एऊ की छापेमारी में इन्वेस्टिगेशन के 365 दिन के भीतर यदि आरोप साबित नहीं होता है तो प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (ढटछअ) के तहत जब्त की गई संपत्ति को वापस उसके मालिक को लौटाना होगा।

कोर्ट ने यह फैसला भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (इढउछ) के महेंद्र कुमार खंडेलवाल की दायर याचिका पर सुनाया। महेंद्र कुमार ने अपनी याचिका में कहा था कि एऊ ने छापेमारी के दौरान रिकॉर्ड दस्तावेज समेत सोने और हीरे की ज्वेलरी भी जब्त की थी, जिसकी कीमत 85 लाख रुपए से ज्यादा है। ED की छापेमारी को एक साल से ज्यादा हो गया, लेकिन अभी तक जब्त की गईं चीजें लौटाई नहीं गई हैं।

याचिकाकर्ता को लौटाया जाए जब्त सामान

याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस नवीन चावला ने कहा कि एऊ की इन्वेस्टिगेशन में यदि 365 दिन के भीतर शख्स आरोपी साबित नहीं होता है कि तो ढटछअ के सेक्शन 8(3) के तहत संपत्ति को सीज करने का टाइम पीरियड लैप्स हो जाता है। ऐसे में जब्त संपत्ति उसे मालिक को वापस करनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पुस्तक का विमोचन किया

कहा भारत का अमृतकाल आज गौरव काल है

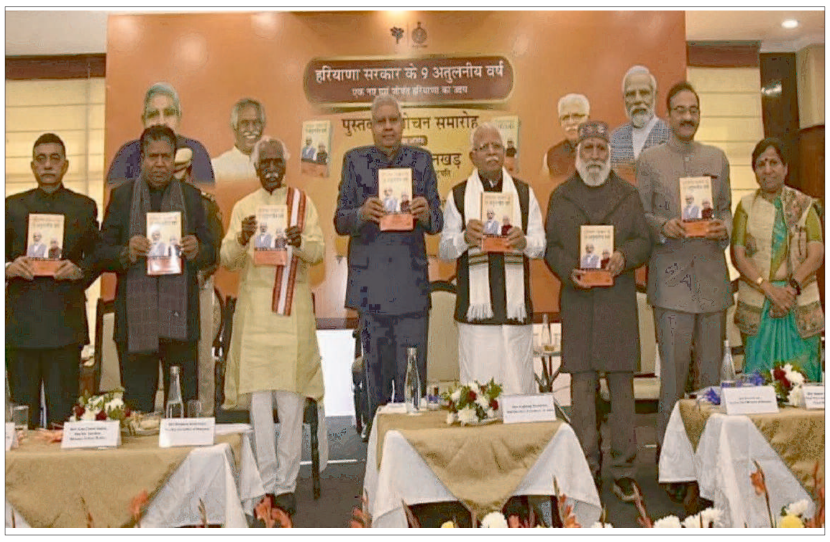

फरीदाबाद। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां हरियाणा सरकार के नौ वर्षों पर आधारित नये एवं जीवंत हरियाणा का उदय शीर्षक नामक पुस्तक का विमोचन किया और कहा कि भारत का अमृतकाल आज गौरव काल है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्ममंत्री मनोहर लाल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रपुस्तक का विमोचन करने के बाद उपराष्ट्रपति ने हरियाणा को देश के लिए रोल मॉडल बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की दूरदर्शी सोच के अनुरूप व्यवस्था परिवर्तन और सुशासन को लेकर किया गया कार्य आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा प्रदेश के ट्रांसपेरेंट-अकाउंटेबल- ऑनेस्ट रिक्रूटमेंट प्रोसेस की चर्चा पूरे देश में होती है। धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी तरह से बदल रहा है। आज के दिन उभरते हुए भारत को आप देखेंगे तो जो परिकल्पना हमारी सांस्कृतिक विरासत में है वो हमारी तरक्की में पूरी तरह झलक रही है। उन्होंने कहा कि भारत का अमृतकाल आज गौरव काल है। यह वह कालखंड है जिसमें भारत की ऐसी मजबूत नींव भरी जा रही है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि2047 का भारत विकसित भारत होगा।

अंदर बैद्यनाथ मंदिर में पूजा कर रहे थे राहुल गांधी, बाहर लगे नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे

नई दिल्ली। अंदर बैद्यनाथ मंदिर में पूजा कर रहे थे राहुल गांधी, बाहर लगे नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी चल रहे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रुके और झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल से कहा गया कि राहुल गांधी ने ₹देश की खुशी, शांति और समृद्धि₹ के लिए प्रार्थना की। कांग्रेस ने यह भी कहा कि नेता ने ₹विश्व प्रसिद्ध बाबा बैधनाथ धाम में रुद्राभिषेक किया₹। झारखंड में उनकी चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे दिन के दौरान यह धार्मिक पड़ाव आया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली मणिपुर से मुंबई यात्रा 67 दिनों में 110 जिलों से होकर 6,700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के लिए तैयार है। हालांकि, इस दौरान हंगामा भी खूब हुआ। दरअसल, जब अंदर राहुल गांधी पूजा कर रहे थे तब बाहर भाजपा समर्थन नरेंद्र मोदी जिंदाबाद

के नारे लगा रहे थे। इस दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे जो राहुल के पक्ष में नारे लगा रहे थे। यात्रा के झारखंड चरण के दौरान, राहुल गांधी ने ₹बेरोजगारी₹ और ₹आदिवासियों की भूमि और संसाधनों₹ का मुद्दा उठाया, जिन्हें कथित तौर पर छीन लिया गया था और भाजपा के ₹कॉर्पोरेट मित्रों₹ को सौंप दिया गया था। भूमि घोटाले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने लोगों द्वारा चुनी गई झारखंड सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जनता पार्टी उसकी ₹साजिश₹ के खिलाफ खड़ी हो गई।

लालकृष्ण आडवाणी को मिलेगा भारत रत्न

वाजपेयी-देशमुख के बाद यह सम्मान पाने वाले तीसरे भाजपा नेता

नई दिल्ली। लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न मिलेगाःवाजपेयी-देशमुख के बाद यह सम्मान पाने वाले तीसरे भाजपा नेता; PM मोदी ने फोन पर बधाई दीभाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी को 96 साल की उम्र में देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और भाजपा के संस्थापक सदस्य नाना जी देशमुख के बाद ये सम्मान पाने वाले भाजपा के तीसरे नेता हैं। साथ ही अब तक भारत रत्न से सम्मानित लोगों में वे 50वीं शख्सियत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर आडवाणी के साथ अपनी 2 तस्वीरें शेयर कीं और लिखा- मुझे यह

बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने उनसे बात भी की और उन्हें यह सम्मान दिए जाने पर बधाई दी।

2014 में सत्ता संभालने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिया गया यह सातवां भारत रत्न है। आडवाणी से पहले 23 जनवरी को बिहार के पूर्व उट कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न (मरणोपरांत) देने का ऐलान किया जा चुका है। इसके अलावा मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है। केंद्र सरकार एक साल में 3 लोगों को यह सम्मान दे सकती है।मोदी ने कहा- देश के विकास के लिए उनका योगदान कोई भूल नहीं सकता

PM ने लिखा, 'वे हमारे समय के सबसे सम्मानित स्टेट्समैन हैं। देश के विकास के लिए उनका योगदान कोई भूल नहीं सकता। उन्होंने जमीनी स्तर से काम शुरू किया था और वे देश के उपप्रधानमंत्री पद तक पहुंचे। वे देश के गृहमंत्री और सूचना-प्रसारण मंत्री भी रहे।

उनकी संसदीय कार्यशैली हमेशा अनुकरणीय रहेगी।' 'सार्वजनिक जीवन में आडवाणी जी दशकों तक पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्ध रहे।

देश में कैसे काम करती है ED

देश में कैसे काम करती है एऊ कब हुई थी शुरूआत, क्या है इसकी शक्तियां?ईडी के पास लागू कानूनों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ जांच करने और कार्रवाई करने की व्यापक शक्तियां हैं, जिसमें पीएमएलए अधिनियम के तहत आय से अधिक संपत्ति जब्त करने की विशेष शक्तियां भी शामिल हैं

नई दिल्ली। वर्तमान में देखें तो प्रवर्तन निदेशालय सुर्खियों में है। हाल में ही परिवर्तन निदेशालय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, केजरीवाल को ईडी ने शराब मामले में पांच बार नोटिस जारी किया है। तेजस्वी यादव और लालू यादव से भी प्रवर्तन निदेशालय नौकरी के बदले जमीन मामले में पूछताछ कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में ईडी को लेकर काफी सवाल उठ रहे हैं। ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है। यही कारण है कि आज हम आपको ईडी के बारे में बताने जा रहे हैं।

झारखंड विधानसभा के फ्लोर टेस्ट में मौजूद रहेंगे हेमंत सोरेन

कोर्ट ने दी अनुमति, 5 फरवरी को चंपई सोरेन को बहुमत साबित करना है

झारखंड। झारखंड विधानसभा के फ्लोर टेस्ट में मौजूद रहेंगे हेमंत सोरेनःकोर्ट ने दी अनुमति, 5 फरवरी को चंपई सोरेन को बहुमत साबित करना है झारखंड के पूर्व उट हेमंत सोरेन विधानसभा में विश्वास मत के दौरान मौजूद रहेंगे। रांची की विशेष कोर्ट ने शनिवार को हेमंत को इसकी अनुमति दे दी। झारखंड के नए उट चंपई सोरेन 5 फरवरी को विधानसभा में विश्वास मत का सामना करेंगे। इसके लिए विशेष सत्र बुलाया गया है।

जमीन घोटाले में हेमंत को 31 जनवरी को एऊने अरेस्ट किया था, कोर्ट ने 2 फरवरी को उनकी 5 दिन की रिमांड एऊको दी थी।

महाधिवक्ता ने रखा हेमंत सोरेन का पक्ष विशेष जज दिनेश राय की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि

राज्यपाल ने 5 फरवरी को फ्लोर टेस्ट के लिए समय तय किया है। हेमंत अभी एऊ की रिमांड में हैं। इसलिए विधानसभा के विशेष सत्र में उपस्थित रहने की अनुमति दी जाए।

कोर्ट में दाखिल याचिका पर दोनों पक्षों की ओर से बहस हुई। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने हेमंत सोरेन की ओर से पक्ष रखा। सुनवाई के बाद कोर्ट ने हेमंत सोरेन को विश्वास मत के दौरान उपस्थिति रहने का आदेश दिया।एऊ की हिरासत में इस्तीफा देने गए थे हेमंत सोरेन ED ने हेमंत सोरेन को बुधवार 31 जनवरी को साढ़े सात घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। जांच एजेंसी उन्हें हिरासत में लेकर रात सवा आठ बजे उट हाउस से राजभवन पहुंची थी, जहां हेमंत सोरेन ने इस्तीफा सौंपा था। यहीं उनके करीबी चंपई सोरेन ने नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। 2 फरवरी को चंपई सोरेन को नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई थी।

2 फरवरी को हैदराबाद गए थे विधायक, 5 को लौटेंगे

हेमंत सोरेन के इस्तीफे के बाद महागठबंधन ने अपने विधायकों को फूट से बचाने के लिए हैदराबाद भेज दिया था। विधायक 1 फरवरी को रांची एयरपोर्ट से चार्टर्ड में सवार हुए थे, लेकिन घने कोहरे के कारण फ्लाइट उड़ नहीं पाई थी। इसके बाद 2 फरवरी को वे हैदराबाद के लिए रवाना हुए।

क्या होता है श्वेत पत्र?

2016 में इसे लाने का विचार क्यों टाला गया

क्या होता है श्वेत पत्र? 2016 में इसे लाने का विचार क्यों टाला गया, अब इसे लाए जाने की बात के पीछे की वजह?चुनाव पूर्व लोकलुभावन बजट की उम्मीदें टूटने के एक दिन बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार हर तरह से सशक्तिकरण के सिद्धांत, सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास को क्रियान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट इस स्पष्ट समझ के साथ प्रस्तुत किया गया था कि पिछले 10 वर्षों में नागरिकों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर शुरू किए गए कई कार्यक्रम जमीन पर पहुंच रहे हैं और लाभार्थी पहले से ही इसके बारे में खुद बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मुद्रास्फीति पर नजर रखते हुए निरंतर विकास का लक्ष्य रख रही है, जल्द ही एक श्वेत पत्र जारी किया जाएगा जिसमें यूपीए के वर्षों के दौरान अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन और पीएम मोदी के तहत होने वाले सुधारों का विवरण दिया जाएगा। श्वेत पत्र लाने के पीछे मोदी सरकार की क्या मंशाहै? अब क्यों इसे लाए जाने की बात कही जा रही है? क्या यह विपक्ष को मात देने के लिए एक और अहम फैक्टर साबित होगा?श्वेत पत्र होता क्या है

श्वेत पत्र की शुरूआत 99 साल पहले 1922 में ब्रिटेन में हुई थी। ये किसी विषय के बारे में ज्ञात जानकारी या एक सर्वे के परिणाम का सारांश होता है। एक श्वेत पत्र किसी भी

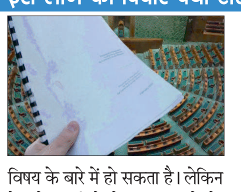

विषय के बारे में हो सकता है। लेकिन ये हमेशा चीजों के काम करने के तरीके को बेहतर बनाने के लिए सुझाव देता है। ये आमतौर पर सरकार द्वारा अनुवर्ती कार्रवाई या कम से कम एक निष्कर्ष के लिए प्रकाशित किया जाता है। श्वेत पत्र सरकार द्वारा तैयार किए गए नीतिगत दस्तावेज हैं जो भविष्य के कानून के लिए उनके प्रस्ताव निर्धारित करते हैं। श्वेत पत्रों को अक्सर कमांड पेपर के रूप में प्रकाशित किया जाता है और इसमें किसी विधेयक का मसौदा संस्करण शामिल हो सकता है जिसकी योजना बनाई जा रही है। यह इच्छुक या प्रभावित समूहों के साथ आगे के परामर्श और चर्चा के लिए एक आधार प्रदान करता है और किसी विधेयक को औपचारिक रूप से संसद में पेश किए जाने से पहले अंतिम बदलाव करने की अनुमति देता है।

अब क्यों लाने का किया जा रहा विचार

वित्त मंत्री ने कहा कि एक श्वेत पत्र लेकर आएं जिसमें बताया जाए कि भारतीय अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में क्यों पहुंच गई। हमारे बैंक इतने ब्लैक होल क्यों बन गए हैं। सभी बैंक गहरे संकट में थे। एनपीए की संख्या और एनपीए के मूल्य पर नजर डालें तो वे किस हद तक पहुंच गए। चाहे वह बैंक हो, चाहे वह समग्र अर्थव्यवस्था हो, चाहे वह रक्षा खरीद हो, चाहे वह दूरसंचार का महत्वपूर्ण क्षेत्र हो, खनिज ही क्यों, हर क्षेत्र समस्याओं से भरा नजर आया।

2016 में इसे लाने का विचार त्याग दिया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका जवाब देते हुए खुद ही कहा था कि जब एनडीए 2014 में सत्ता में आया तो उन्होंने यूपीए के 10 साल के शासन के बाद अर्थव्यवस्था की स्थिति पर एक श्वेत पत्र लाने के बारे में सोचा था, लेकिन उन्होंने इस डर से ऐसा करने से परहेज किया कि इससे देश के हित को नुकसान पहुंचेगा। जुलाई 2014 में एनडीए सरकार के पहले बजट की प्रस्तुति से ठीक पहले, मोदी ने कहा था कि राजनीतिक समझ ने उन्हें अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को पेश करने की सलाह दी, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अनिश्चित स्थिति और बजट संख्या के साथ समस्याएं शामिल थीं। लेकिन राष्ट्रीय हित ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। पीएम मोदी ने कहा था कि देशहित ने मुझे बताया कि इस जानकारी से निराशा बढ़ेगी, बाजार बुरी तरह प्रभावित होगा, अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगेगा और भारत के बारे में दुनिया का नजरिया खराब होगा। उन्होंने तब कहा था कि मैंने राष्ट्रीय हित में राजनीतिक नुकसान के जोखिम पर चुप रहना चुना।

उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में UCC पर नहीं आया प्रस्ताव

जानिए धामी सरकार की क्या है आगे की प्लानिंग

उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में वउउ पर नहीं आया प्रस्ताव, पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार ने शनिवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मसौदे पर चर्चा करने और उसे मंजूरी देने के लिए एक कैबिनेट बैठक की, जिससे भाजपा शासित राज्य यूसीसी को अपनाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। बैठक के बाद, मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात की और कहा कि बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, उन्होंने कहा कि इस सत्र में, वे यूसीसी लाएंगे, जो भी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। धामी ने कहा कि एक और कैबिनेट बैठक होगी, जिसके बाद मसौदा लाया जाएगा। एक बार जब कैबिनेट हरी झंडी दे देती है, तो विधेयक को विधानसभा के चार दिवसीय विशेष सत्र के दौरान पेश किए जाने की

संभावना है जो पहले ही 5-8 फरवरी तक बुलाया जा चुका है। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में सरकार द्वारा नियुक्त पैनल द्वारा शुक्रवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक बड़ा दस्तावेज सौंपे जाने के बाद यह बात सामने आई है, जिन्होंने कहा था कि ह्ललंबे समय से प्रतीक्षित क्षण आ गया हैह्व। जैसे-जैसे उत्तराखंड सरकार यूसीसी को वास्तविकता बनाने के करीब पहुंच रही है, आपको इस मसौदे के लिए जिम्मेदार विशेषज्ञों के बारे में जानने की जरूरत है।

2024 में मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री-योगी

भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा

संतकबीरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश बदल रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत में 140 करोड़ लोगों का गौरव बढ़ा है। शक्तिशाली होने पर देश समर्थ होता है। समर्थ होने से समृद्धि आने लगती है। इस समृद्धि को देखते हुए भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। सीएम ने आह्वान किया कि 2024 में मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की कुर्सी सौंपिए, भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

इसका मतलब हर नागरिक के जीवन में परिवर्तन होना, प्रति व्यक्ति आय बढ़ना। उत्तर प्रदेश में पिछले छह वर्ष में छह करोड़ व देश में 24 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठे हैं। सरकार के परिणामस्वरूप बिना भेदभाव शासन की सभी योजनाओं (आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड, सड़कें, हाइवे, रेलवे, एयरपोर्ट, टू लेन-फोर लेन की कनेक्टिविटी) का लाभ सभी को मिल रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को मगहर कबीर महोत्सव-2024 के समापन समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने 360 करोड़ की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। संत कबीर स्थली पर 600 जोड़ों के सामूहिक विवाह में पहुंचे सीएम ने उन्हें आशीर्वाद भी दिया। सीएम ने बटन दबाकर इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का शुभारंभ भी किया।

उप आयुक्त सहित चार आरोपियों को 4 वर्ष की जेल के साथ 28 लाख का जुमाना

गाजियाबाद। 5 लाख रु. की रिश्वत मांगने एवं स्वीकार करने से संबंधित एक मामले में नामित अदालत ने तत्कालीन उप आयुक्त (सीमा शुल्क) सहित चार आरोपियों को 4 वर्ष तक की कारावास के साथ कुल 28 लाख रु. के जुमार्नें की सजा सुनाई

सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश की अदालत, गाजियाबाद ने श्री शशि कांत, तत्कालीन उपायुक्त (सीमा शुल्क), आईसीडी, दादरी, गौतम बुद्ध नगर (यूपी) सहित चार आरोपियों को सजा सुनाई है जिसमें श्री शशि कांत, तत्कालीन उपायुक्त (सीमा शुल्क), आईसीडी, दादरी, गौतम बुद्ध नगर

(यूपी) को 4 वर्ष की कारावास के साथ 8 लाख रु. का जुमार्ना; उनकी पत्नी सुश्री श्वेता को 2 वर्ष की कारवास के साथ 4 लाख रु. का जुमार्ना; नरेंद्र कुमार चुघ, मैसर्स अबान एक्ज़िम प्राइवेट लिमिटेड के तत्कालीन मुख्य प्रोत्साहक (निजी व्यक्ति) को 4 वर्ष की कारावास के साथ 8 लाख रु. का जुमार्ना एवं श्री सतीश गुप्ता, (मध्यस्थ व्यक्ति) को 4 वर्ष की कारावास के साथ 8 लाख रु. के जुमार्नें की सजा शामिल है। अदालत के द्वारा कुल 28 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

सीबीआई ने उक्त आरोपियों यथा श्री शशि कांत, तत्कालीन उप आयुक्त (सीमा शुल्क); श्री नरेन्द्र कुमार चुग एवं श्री सतीश गुप्ता (मध्यस्थ व्यक्ति) तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध दिनाँक 29.11.2013 को तत्काल मामला दर्ज किया था। यह आरोप था कि श्री नरेंद्र कुमार चुग ने आईसीडी, दादरी, गौतम बुद्ध नगर, यूपी में सीमा शुल्क विभाग द्वारा जब्त की गई अपनी कंपनी के टायरों की खेप को जारी करने हेतु मध्यस्थ व्यक्ति श्री सतीश गुप्ता से संपर्क किया। यह भी आरोप था कि श्री सतीश गुप्ता ने कंपनी की जब्त की गई खेप को पक्ष लेते हुए निर्गत करने हेतु मंजूरी दिलाने के लिए श्री शशिकांत, तत्कालीन उपायुक्त (सीमा शुल्क), आईसीडी दादरी से संपर्क किया। इस क्रम में आगे, श्री शशि कांत ने पक्षपात करने के लिए कथित मध्यस्थ व्यक्ति श्री सतीश गुप्ता के माध्यम से श्री नरेंद्र कुमार चुघ से 5 लाख रु. की रिश्वत की मांग की।सीबीआई ने जाल बिछाया एवं श्री नरेंद्र कुमार चुघ को उक्त लोक सेवक की ओर से सुश्री श्वेता (पत्नी श्री शशिकांत) को उनके नोएडा स्थित आवास पर दिनाँक 29.11.2013 को रिश्वत के तौर पर 5.00 लाख रु. देते हुए पकड़ लिया। आरोपियों के आवासीय एवं कार्यालयी परिसरों में तलाशी ली गई। आरोपी श्री शशि कांत, श्री नरेंद्र कुमार चुग एवं श्री सतीश गुप्ता को दिनाँक 30.11.2013 को गिरफ्तार किया गया तथा बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। जांच के दौरान, आरोपी व्यक्तियों के विरुद्ध साक्ष्य/प्रमाण एकत्र किए गए एवं मामले में दिनाँक 29.01.2014 को आरोप पत्र दायर किया गया। विचारण के दौरान, सीबीआई ने अदालत के समक्ष कई दस्तावेजों के साथ अभियोजन पक्ष के 31 गवाहों का हवाला दिया।

सुप्रीम कोर्ट भी नहीं सुनेगा तो हम कहां जाएं : सिब्बल

नई दिल्ली। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली को लेकर कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को हमें बतलाना चाहिए कि हम किन मामलों को लेकर उसके समक्ष आएं और किन मामलों में नहीं आएं। इसके साथ ही सिब्बल ने झारखंड मुद्दे पर केंद्र सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाए। दरअसल कपिल सिब्बल का कहना था कि भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा, जबकि एक मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को यह हमें बतलाना चाहिए कि हम किन मामलों को लेकर आ सकते हैं और किन्हें लेकर नहीं आ सकते। केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष का कोई भी मुख्यमंत्री रहे। अब वो ऐसा ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ भी कर रहे हैं। उनकी मंशा सिर्फ डबल इंजन की सरकार चलाने की है और इसी के साथ विपक्ष की सरकार न रहे इसका पूरा इंतजाम किया जा रहा है। ऐसे में हेमंत सोरेन के खिलाफ 10 और ताजे मामले दर्ज किए गए हैं। इसका अर्थ यही है कि वो जेल से बाहर ही नहीं आएं। उन्होंने कहा कि ऐसे में यदि सुप्रीम कोर्ट भी हमारी बात नहीं सुनेगा तो हम कहां जाएं? गौरतलब है कि कोर्ट के समक्ष कपिल सिब्बल ही हेमंत सोरेन का पक्ष रख रहे हैं। उनके मामले की सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने अपना दुखड़ा रोया और आरोप भी लगाए हैं।

हिमाचल प्रदेश में दो दिन होगी तेज बर्फबारी, चार राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 500 से ज्यादा सड़कें बंद

शिमला। बर्फबारी के कारण 4 राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 504 सड़कें बंद हो गई हैं, जिससे राज्य भर में बिजली और जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया, 'बर्फबारी के कारण राज्य में 4 राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 504 सड़कें अभी भी बंद हैं।' इसमें शिमला में 161, लाहौल-स्पीति में 153, कुल्लू में 76, मंडी में 44, चंबा में 62, किन्नौर में 7 और कांगड़ा में एक सड़कें शामिल हैं। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 674 बिजली आपूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं और 44 जल आपूर्ति योजनाएं भी बाधाओं का सामना कर रही हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 500 से ज्यादा सड़कें बंद

स्थानीय मौसम विभाग ने शनिवार को कई स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने और रविवार को कई स्थानों पर भारी बर्फबारी के साथ तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। राज्य में 31 जनवरी और एक फरवरी को कई हिस्सों में मध्यम से भारी बर्फबारी हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, शिमला में सबसे अधिक 161 सड़कें, लाहौल और स्पीति में 153, कुल्लू में 76 और चंबा जिले में 62 सड़कें बंद हैं।

हिमाचल में दो दिनों की बर्फबारी

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने बताया कि सड़कों से जल्द से जल्द बर्फ हटाने के लिए सफाई का काम तेजी से चल रहा है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रही, यहां तक कि न्यूनतम तापमान में कुछ डिग्री की वृद्धि हुई, लेकिन यह सामान्य से नीचे रहा।

जिंदा हैं अभिनेत्री पूनम पांडे, लोग कर रहे उनकी गिरफ्तारी की मांग

-ट्रोल कर लोग कह रहे अपनी मौत पर मजाक किया

मुंबई । बालीवुड अभिनेत्री पूनम पांडे जिंदा हैं। शुक्रवार को पूनम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी किया गया पोस्ट झूठा निकला। इसका खुलासा खुद पूनम ने किया है। पूनम ने दो वीडियो शेयर किए, जिसमें उन्होंने बताया कि वह जिंदा हैं और पूरी तरह से ठीक हैं। पूनम से मैनेजर तक सब 'झूठी मौत' में शामिल थे। सोशल मीडिया पर आकर उन्होंने सफाई दी तब यूजर्स भड़क उठे। पूनम ने शनिवार सुबह दो वीडियो शेयर किए, जिसमें उन्होंने अपनी मौत के ड्रामे को लेकर रची साजिश का खुलासा किया। उन्होंने सफाई दी ये उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करना था। अब पूनम कुछ भी कहें, लेकिन लोग उनकी हरकत से नाराज होकर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। उनके वीडियो को देख एक यूजर ने लिखा, ये पब्लिसिटी का सबसे घटिया तरीका था। एक अन्य ने लिखा, मौत का मजाक बनाया है, अब तुम्हारी असली मौत पर भी कोई यकीन नहीं करेगा। खुशी है कि आप जिंदा हैं, लेकिन इस घटिया झूठ के लिए गिरफ्तारी होनी चाहिए। एक अन्य ने लिखा, जागरुकता के और भी तरीके हो सकते थे, लेकिन ये सबसे घटिया है।

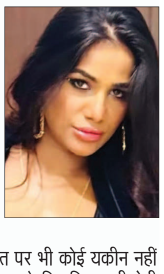

झूठी मौत की खबरों से खुश हैं पूनम

बता दें कि अपने दूसरे वीडियो में उन्होंने लोगों से माफी मांगी है। साथ ही ये भी स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी झूठी मौत की खबरों पर दुख नहीं है, क्योंकि इस खबर ने एक ही दिन में सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरुक कर दिया है।

ताज महल में उर्स के आयोजन पर रोक लगाने अदालत पहुंचा दक्षिणपंथी संगठन

आगरा। दक्षिणपंथी संगठन ने आगरा की एक अदालत में याचिका दायर कर ताज महल में उर्स के आयोजन पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता अखिल भारत हिंदू महासभा (एबीएचएम) ने उर्स के लिए ताज महल में मुफ्त प्रवेश को भी चुनौती दी है। अदालत ने याचिका स्वीकार कर मामले में सुनवाई की तारीख चार मार्च तय की है। मुगल सम्राट शाहजहां के तीन दिवसीय 'उर्स' का आयोजन इस साल छह फरवरी से आठ फरवरी तक होना है। याचिकाकर्ता के वकील अनिल कुमार तिवारी ने कहा, ''याचिकाकर्ता एबीएचएम ने अपनी मंडल प्रमुख मीना दिवाकर और जिला अध्यक्ष सौरभ शर्मा के माध्यम से शुक्रवार को आगरा की दीवानी अदालत परिसर में दीवानी मामलों के चतुर्थ अतिरिक्त न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) कक्ष संख्या चार की अदालत में एक याचिका दायर की।'' तिवारी ने कहा, ''उन्होंने उर्स मनाने वाली समिति के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता ने उर्स के लिए ताज महल में मुफ्त प्रवेश देने पर भी आपत्ति जाहिर की है। एबीएचएम के प्रवक्ता संजय जाट ने तर्क दिया कि संस्था ने उस आरटीआई (सूचना का अधिकार) के आधार पर याचिका दायर की जिससे पता चला कि न मुगलों और न ही अंग्रेजों ने ताज के अंदर उर्स आयोजित करने की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा, ''यह याचिका आगरा शहर के इतिहासकार राज किशोर राजे द्वारा दायर एक आरटीआई के आधार पर दायर की गई है। आरटीआई में उन्होंने एएसआई से पूछा था कि ताज महल परिसर में उर्स मनाने और नमाज की अनुमति किसने दी? एएसआई ने जवाब दिया कि न मुगलों और न ही ब्रिटिश सरकार या भारत सरकार ने ताज महल में उर्स मनाने की अनुमति दी है।

भाजपा विधायक ने शिवसेना नेता पर दाग दी गोली, पुलिस ने किया गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के अंदर ही गोलीबारी की चौंकाने वाली घटना प्रकाश में आई है। यहां एक भाजपा विधायक ने शिंदे शिवसेना गुट के नेता महेश गायकवाड को गाली मार दी। घायल अवस्था में उन्हे अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस मामले में पुलिस ने भाजपा विधायक गणपत गायकवाड सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं राज्य सरकार ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।पुलिस के अनुसार, दोनों नेताओं में कुछ दिनों से दोनों नेताओं के बीच मतभेद चल रहे थे। इसके बाद वे दोनों पुलिस स्टेशन में शिकायत करने आए थे, जहां भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने महेश गायकवाड़ और उनके साथियों पर गोली चला दी। घटना कथित तौर पर शुक्रवार रात उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में हुई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने मीडिया को बताया कि महेश गायकवाड़ और उनके एक समर्थक को पांच गोलियां लगीं।

झारखंड में जनादेश चुराने की बीजेपी की 'साजिश' के खिलाफ खड़ा है इंडिया ब्लॉक, राहुल गांधी ने जारी किया बयान

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के झारखंड में प्रवेश करने पर एक सभा में कहा कि भाजपा ने लोगों द्वारा चुनी गई झारखंड सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की। राहुल गांधी ने यह कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा से डरती नहीं है, जिसके पास 'धन बल और जांच एजेंसियां' हैं। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा के पास धनबल और जांच एजेंसियां हैं, लेकिन कांग्रेस और मैं उनसे डरते नहीं हैं और सत्तारूढ़ पार्टी की विभाजनकारी विचारधारा के खिलाफ लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (भाजपा) लोगों द्वारा चुनी गई झारखंड सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गुट उनकी 'साजिश' के खिलाफ खड़ा हुआ और उसे लोकप्रिय जनादेश चुराने नहीं दिया।''

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के झारखंड में प्रवेश करते ही नवनियुक्त मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राहुल गांधी का जोरदार स्वागत किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि पिछली भारत जोड़ो यात्रा आरएसएस और भाजपा के 'विभाजनकारी एजेंडे' के खिलाफ थी, लेकिन वर्तमान यात्रा देश के लोगों के लिए न्याय की मांग कर रही है।

उन्होंने कहा 'देश भर में व्यापक अन्याय व्याप्त है', जिसमें 'कमरतोड़ मूल्य वृद्धि और बढ़ती बेरोजगारी' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत में युवाओं को रोजगार मिलना असंभव है। बाद में, एक्स पर अपनी टिप्पणी का एक वीडियो साझा करते हुए, गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी की नीतियां बेरोजगारी की गारंटी हैं। वह जिस भारत का निर्माण कर रहे हैं उसमें युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता है।'

पश्चिम बंगाल से झारखंड में यात्रा के प्रवेश के अवसर पर ध्वज सौंपने के समारोह में अपनी टिप्पणी में, गांधी ने 'छोटे और मध्यम उद्योगों के विनाश' के लिए मोदी सरकार की नोटबंदी नीति और 'त्रुटिपूर्ण जीएसटी' कार्यान्वयन को जिम्मेदार ठहराया, जो उन्होंने कहा कि ये रोजगार सृजन की रीढ़ हैं। झारखंड के लोगों को न्याय यात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए गांधी ने कहा कि वह उनकी चिंताओं को सुनेंगे। उन्होंने कहा, 'हम आपके मन की बात सुनते हैं, अपने मन की बात नहीं करते।'

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह न्याय यात्रा आर्थिक और सामाजिक न्याय और किसानों, युवाओं और अन्य हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए न्याय की मांग के लिए है।

एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'दिन की तस्वीरः भारत जोड़ो न्याय यात्रा के ध्वज सौंपने के समारोह में पाकुड़ में झारखंड के नव-शपथ ग्रहण करने वाले सीएम श्री चंपई सोरेन जी के साथ राहुल गांधी। अलग राज्य के निर्माण के लिए जन आंदोलन में उल्लेखनीय भूमिका के लिए चंपई सोरेन जी को झारखंड के टाइगर के नाम से जाना जाता है।' उन्होंने कहा, 'दिल्ली के घोड़ा-व्यापारी कृपया ध्यान दें--धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की भूमि आपकी अन्याय की राजनीति का विरोध करेगी और उसे परास्त करेगी।'

शुक्रवार को झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले चंपई सोरेन ने भी सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया और न्याय यात्रा को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

बड़ा ऐलान : महाराष्ट्र में बेटियों की पढ़ाई का खर्चा उठाएगी शिंदे सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बेटियों की पढ़ाई के लिए बड़ा ऐलान किया है। राज्य की शिंदे सरकार ने आठ लाख या उससे कम आय वाले परिवार की लड़कियों के शैक्षणिक शुल्क को माफ करने का ऐलान किया है। राज्य सरकार ने इन परिवार की लड़कियों की फीस भरपाई करने की घोषणा की है। महाराष्ट्र सरकार को ऐसी उम्मीदें हैं कि इस कदम से उच्च शिक्षा में लड़कियों भागीदारी बढ़ेगी। रिपोर्ट की मानें तो महाराष्ट्र के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने शुक्रवार को संयुक्त कुलपतियों के बोर्ड (जेबीवीसी) की बैठक के दौरान इसकी घोषणा की। मौजूदा वक्त में इसी श्रेणी में शैक्षणिक शुल्कों में 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है, जिसे अब 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल ने कहा, विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए कि अधिक लड़कियां विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लें। पाटिल ने कुलपतियों को समय पर परिणाम घोषित करने के महत्व पर जोर देने के साथ-साथ इसके लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने भी सभी कुलपतियों से समय पर परिणाम घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि परिणाम में देरी के कारण छात्र अपने शैक्षणिक वर्ष या नौकरी के अवसर न चूकें। पिछले साल भी राज्यपाल ने रिजल्ट में देरी को लेकर विश्वविद्यालयों को फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था कि परिणाम घोषित करने और मार्कशीट जारी करने में देरी के लिए कुलपतियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

राजस्थान: कोटा में कई दर्जन छात्रों की मौत के बाद जागा प्रशासन, पहली बार दिखाई सख्ती

जयपुर (एजेंसी)। तमाम सपने लेकर कोटा जाने वाले कई छात्रों के सपने पूरे नहीं हो सके। निराश होकर उन्होंने मौत को गले लगा लिया। लगातार आत्महत्या के बाद भी प्रशासन की जब नींद खुली तब तक कई दर्जन छात्र इस दुनिया से अलविदा कह चुके। कोटा में 19 वर्षीय एनईईटी छात्रा द्वारा आत्महत्या करने के कुछ दिन बाद पहली बार कोटा जिला प्रशासन ऐक्शन मोड में दिखा। प्रशासन ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार की रेगुलेटरी गाइडलाइंस के तहत अपने पहले ऐक्शन में पंखों में एंटी सुसाइड डिवाइस नहीं लगाने पर उसके हॉस्टल को अस्थायी रूप से सीज कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि 23 जनवरी को छात्रा जवाहर नगर में अपने हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटकी हुई मिली थी, जो पिछले साल 27 ऐसी घटनाओं के बाद 2024 का पहला मामला था। बता दें कि पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कोटा में 2022 में 15, 2019 में 18, 2018 में 20, 2017 में सात, 2016 में 17 और 2015 में 18 छात्रों की मौत हुई। हालांकि 2020 और 2021 में कोई आत्महत्या की घटना सामने नहीं आई क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण कोचिंग संस्थान बंद थे या ऑनलाइन मोड में चल रहे थे।

जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी ने कहा, जांच के दौरान, हमने पाया है कि हॉस्टल अथॉरिटी ने राज्य सरकार के 28 सितंबर की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया, जिसमें हॉस्टल के सभी कमरों के पंखों में एंटी-हैंगिंग डिवाइस लगाना अनिवार्य था। पुलिस की रिपोर्ट के बाद हमने कार्रवाई की है और हॉस्टल को सीज कर लिया है।कलेक्टर ने कहा कि जवाहर नगर इलाके में स्थित कंचन रेजिडेंट हॉस्टल में 32 कमरे हैं। हमने पहले ही 22 कमरे खाली करा लिए हैं और छात्रों को कहीं और शिफ्ट कर दिया है, जबकि अन्य 5 कमरे भी 5 फरवरी से पहले खाली करने का आदेश वार्डन और डायरेक्टर को दिया गया है।

जवाहर नगर में स्थानीय पुलिस थाने के एसएचओ को जारी एक आदेश में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट बृज मोहन बैरवा ने शुक्रवार को गाइडलाइंस के अनुसार हॉस्टल में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। आदेश में कहा गया है कि गाइडलाइंस के अनुसार सभी सेटअप स्थापित होने तक हॉस्टल बंद रहेगा। इस संबंध में हॉस्टल डायरेक्टर को एक लिखित आदेश भी भेजा गया है। पिछले दस दिनों में कोटा के कोचिंग सेंटरों में अब तक दो छात्रों द्वारा आत्महत्या की जा चुकी है, जबकि यूपी की रहने वाली एनईईटी छात्रा की 23 जनवरी को मौत हो गई थी, कोटा स्थित 18 वर्षीय जेईई छात्रा की भी 29 जनवरी को उसके ही घर पर मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा कि पिछले साल कोटा में 27 छात्रों द्वारा आत्महत्या की गई थी, जो 2015 के बाद से सबसे अधिक है।

दुष्यंत चौटाला ने साधा कांग्रेस पर निशाना, कहा आगामी चुनाव उनका का अंतिम चुनाव होगा

जींद (एजेंसी)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश में आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि ये चुनाव कांग्रेस का अंतिम चुनाव साबित होगा। इस चुनाव में कांग्रेस का खात्मा होना तय है। यहां उचाना में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने यह दावा किया। वहीं राज्य में विपक्ष के सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को यह पहला यह बताना चाहिए कि जब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अजय चौटाला, ओमप्रकाश चौटाला को सलाखों के पीछे डाला था तब क्या वो तंत्र ठीक था।

कहा कि जब सीबीआई ने डॉ. अजय चौटाला को गिरफ्तार किया था तब तो वह हरियाणा सरकार के सदस्य भी नहीं थे बल्कि सांसद थे। दुष्यंता चौटाला ने कहा कि जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी तो पूरे देश में नेताओं को जेल में डाल दिया था और जहां तक बात इन मामलों की है तो इनमें सबूत भी मिले है और गड़बड़ भी। इसके बावजूद भी नेता अपने आप को निर्दोष बताते हैं। उचाना से चुनाव लडने को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए चौटाला ने कहा कि वह उचाना से चुनाव लड़ेंगे और इसको लेकर भी वह कई बार पहले बोल चुके हैं।

पंजाब : राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित का इस्तीफा, निजी कारणों का दिया हवाला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने 'व्यक्तिगत कारणों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं' के कारण इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने आधिकारिक पत्र में, बनवारीलाल पुरोहित ने पंजाब के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के राज्यपाल पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। पुरोहित ने अपने इस्तीफे में लिखा कि अपने व्यक्तिगत कारणों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण, मैं पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक, केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ के पद से अपना इस्तीफा देता हूं। कृपया इसे स्वीकार करें और उपकृत करें। पुरोहित ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

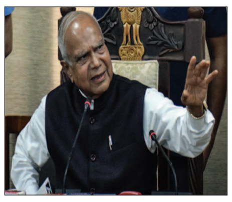

उनकी मुलाकात चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा की जीत के कुछ दिनों बाद हुई थी, जिसमें तीनों पदों पर कब्जा बरकरार रखा गया है, जो कांग्रेस-आप गठबंधन के लिए एक झटका है, जिसने पीठासीन अधिकारी पर मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। पुरोहित का इस्तीफा पंजाब में लंबित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर उनके और मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार के बीच गतिरोध के बीच आया है।

10 नवंबर, 2023 को शीर्ष अदालत ने पंजाब विधानसभा द्वारा पारित पांच विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर पुरोहित की खिंचाई की। सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्यपाल के खिलाफ पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई की थी। वह 2017 से 2021 तक तमिलनाडु के पूर्व राज्यपाल और 2016 से 2017 तक असम के पूर्व राज्यपाल रहे। वह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। वह तीन बार नागपुर (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से संसद सदस्य रहे, दो बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सदस्य के रूप में, एक बार भाजपा सदस्य के रूप में।

ममता के बयान पर फिर अधीर हुए चौधरी, पूछा-बीजेपी और दीदी एक ही भाषा क्यों बोल रहे हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बीच जुबानी जंग लगातार जारी है। ममता बनर्जी हाल में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि सबसे पुरानी पार्टी लोकसभा चुनाव में 40 सीट भी नहीं जीतेगी। इसकी को लेकर अधीर रंजन चौधरी ने पलटवार किया है। चौधरी ने कहा कि भाजपा बोलती है कि कांग्रेस खत्म हो गई है, कांग्रेस के पास कुछ नहीं है। वहीं भाजपा के सुर में सुर मिलाते हुए ममता बनर्जी बोलती हैं कि कांग्रेस को 40 सीटें भी मिल जाएं तो बहुत है।

अधीर रंजन चौधरी ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा और पीएम मोदी बोलते हैं कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है, यही बात ममता बनर्जी भी बोलती हैं। उन्होंने कहा कि क्यों भाजपा और दीदी एक ही भाषा बोल रहे हैं?। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप(ममता बनर्जी) बोलती हैं कि INDIA गठबंधन का नामकरण आपने किया है तो फिर आज आपको INDIA गठबंधन क्यों खराब लग रहा है? उन्होंने कहा कि आपके लिए राज्य बाद में है... राहुल गांधी के लिए देश पहले है, बाकी सब बाद में है।

अधीर ने कहा कि बीजेपी कहती है कि कांग्रेस खत्म हो गई है, कांग्रेस के पास कुछ नहीं है. बीजेपी के सुर में सुर मिलाते हुए ममता बनर्जी का कहना है कि अगर कांग्रेस को 40 सीटें भी मिल जाएं तो काफी है। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में 300 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद वह 40 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। बनर्जी ने कांग्रेस को वाराणसी लोकसभा सीट जीतने की भी चुनौती दी, जो पिछले दो कार्यकाल से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र है। उन्होंने एक चिंताजनक पैटर्न की ओर भी इशारा किया, जहां कांग्रेस उन क्षेत्रों पर अपनी पकड़ खो रही है जहां उसकी मजबूत उपस्थिति हुआ करती थी।

बनर्जी की कटु टिप्पणी पश्चिम बंगाल में बदलती राजनीति का एक नया पहलू उजागर करती है। कांग्रेस से अलग होने का उनका निर्णय और उसके बाद पार्टी पर हमले राज्य में बदलते राजनीतिक परिदृश्य को उजागर करते हैं। बनर्जी ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस, मुझे नहीं पता कि आप 300 में से 40 सीटें जीतेंगे या नहीं। इतना अहंकार क्यों? आप बंगाल आए, हम एक इंडिया गठबंधन हैं। मुझे कम से कम बताएं। मुझे प्रशासन से पता चला। अगर आपमें हिम्मत है, वाराणसी में भाजपा को हराओ। आप उन जगहों पर हार गए जहां आप पहले जीते थे!

मणिपुर ने मोबाइल इंटरनेट निलंबन 15 दिन के लिए बढ़ाया

इम्फाल । मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में हाल की हिंसक घटनाओं से उत्पन्न कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने नौ जिलों के सीमावर्ती इलाकों में दो किमी के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को 15 दिन के लिए बढ़ा दिया। एक आदेश के अनुसार नौ जिले, जिनमें घाटी और पहाड़ी दोनों क्षेत्र शामिल हैं, चंदेल, काकचिंग, चुराचांदपुर, बिष्णुपुर, कांगपोकपी, इंफाल पश्चिम, थौबल, तेंगनौपाल और इंफाल पूर्व हैं। आदेश में कहा गया है ?कि राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति और पिछले एक पखवाड़े में इंटरनेट निलंबन के सामान्य संचालन के साथ इसके संभावित सह-संबंध की समीक्षा करने के बाद, नौ जिलों की अंतर-जिला सीमाओं पर मोबाइल टावरों के संचालन के निलंबन को जारी रखने का निर्णय लिया है।

भाजपा के निशाने पर आया सोरेन परिवार, फ्लोर टेस्ट पर टिकीं सभी की नजरें

रांची (एजेंसी)। झारखंड का सियासी बवंडर फिलहाल थमने वाला नहीं है। यहां जिस तरह की राजनीति हो रही है उससे इसी तरह के संकेत मिल रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कई नेताओं की नजर सीएम की कुर्सी पर थी। जैसे तैसे चंपाई सोरेन ने सीएम पद की शपथ ले ली है लेकिन भीतर का विवाद अभी पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। राज्य का मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने खुलकर कह दिया है कि सोरेन परिवार की आपसी कहल के चलते विवाद बढ़ा है। झारखंड में सियासी घमासान के बीच भाजपा भी सक्रिया हो गई है। भाजपा विधायक दल की बैठक हुई जिसमें राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। इस दौरान सदन में विश्वास मत के दौरान मजबूती से पार्टी की उपस्थिति दर्ज कराने का फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने की।

मरांडी ने नवनियुक्त मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को बधाई देते हुए कहा कि यह सरकार जनहित में निर्णय लेते हुए जनता की भलाई के लिए काम करे। वहीं, बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने रिसार्ट पॉलिटिक्स पर कहा कि सत्ताधारी विधायकों में पद, कुर्सी के लिए अंतर्कलह है। सोरेन परिवार में अंतर्कलह है। पहले भी हेमंत सरकार अपने सत्ता पक्ष के विधायकों को जेल भेजवा चुकी है। इसलिए सत्ता पक्ष के सारे विधायक अपनी अंतर्कलह को छुपाने के लिए भाजपा पर ठीकरा फोड़ रहे। बाउरी ने कहा कि सत्ता पक्ष आपसी अंतर्कलह को छुपाने में जुटे हैं। विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी सहित विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, सीपी सिंह, बिरंची नारायण, भानु प्रताप शाही, रामचंद्र चंद्रवंशी, जेपी पटेल, राज सिन्हा, मनीष जायसवाल, अमित मंडल, शशिभूषण मेहता आदि ने नवनियुक्त मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को बधाई दी।

नेता प्रतिपक्ष बाउरी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस पार्टी की साजिश चलती रहेगी। कांग्रेस का पुराना इतिहास है कि वह सहयोगी दलों की सरकार को फंसाकर खुद बचना चाहती है। कांग्रेस पार्टी राष्ट्र विरोधी ताकतों से मिली है। इसलिए मुखौटा को आगे रखकर अपना पूरा एजेंडा लागू कराती है। बाउरी ने कहा कि कांग्रेस के समर्थन से चलने वाली सरकारों के मुख्यमंत्री का वही हश्र हुआ है, जो हेमंत सोरेन का हुआ। इसलिए चंपाई सोरेन को इससे सतर्क रहना चाहिए। वे आंदोलनकारी रहे हैं, इसलिए उन्हें अपनी सोच समझ से काम करना चाहिए। बाउरी ने कहा कि ऐसा लगता है यह सरकार पिछली सरकार की तरह ही तुष्टिकरण के एजेंडे को लागू करने के लिए बनी है। बाउरी ने कहा कि चंपाई सोरेन के घर-परिवार में आज उत्सव का माहौल है। यह अवसर उन्हें राज्य में व्याप्त सत्ता संपोषित भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा द्वारा सदन से सड़क तक की लड़ाई और राज्य की जनता का भ्रष्टाचार के भाजपा की लड़ाई में मिले समर्थन के कारण प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद के खिलाफ भाजपा की लड़ाई ने उन्हें यह अवसर दिया है कि वे राज्य के सर्वोच्च पद पर बैठ पाए हैं।

चुनाव आयोग के दफ्तर के पास हुआ बम धमाका

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान चुनाव आयोग के ऑफिस के बाहर बम धमाका होने की जानकारी मिली है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार धमाके में किसी के भी घायल नहीं होने का दावा किया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में 8 फरवरी को संसदीय आम चुनाव का मतदान होने जा रहा है। इसके चलते सभी जगह सख्त सुरक्षा व्यवस्था का दावा किया जा रहा है, लेकिन उससे पहले चुनाव आयोग के ही दफ्तर के बाहर हुए बम धमाके ने सुरक्षा से जुड़े दावों की नींव हिला दी हैं। कराची के साउथ जोन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक साजिद सदजोई के मुताबिक धमाके में किसी की मौत या किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि विस्फोटक को एक शॉपिंग बैग में रखकर चुनाव आयोग के ऑफिस की बाहरी दीवार के पास छोड़ा गया था। चुनाव आयोग का ऑफिस कराची के रेड जोन एरिया में मौजूद है। ऐसे में इस धमाके को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। एसएसपी साजिद ने बताया कि घटनास्थल की सघन तरीके से जांच की जा रही है। बम डिस्पॉजल दस्ते को मौके पर बुलाकर बम के नेचर और उसकी क्षमता का पता लगाया जा रहा है।

सिगरेट को लेकर हुआ झगड़ा, सिर काट कर दो साल फ्रिज में रखा

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक अपराधी ने सिगरेट को लेकर एक शख्स की हत्या कर दी थी। इतना ही नहीं हत्या के बाद उसने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दो साल तक अपने फ्लैट की फ्रिज में रखे रहा। जानकारी के अनुसार 45 साल के निकोलस मैकजी ने हत्या के बारे में ऐसी चीजें बताई हैं जो कि हैरान करने वाली हैं। उसने कहा कि गेजलर नाम के शख्स के साथ वह और उसकी पत्नी शराब पी रहे थे। तभी उसने सिगरमेट मांगी लेकिन गेजलर ने देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने गेजलर की हत्या कर दी और फिर उसकी जेब से ड्रग्स निकालकर स्मोक करने लगा। इस काम में उसकी पत्नी भी शामिल थी। मैकजी ने बताया कि उसने 22 मार्च 2022 को हत्या की थी। इसके बाद 17 महीने बाद पुलिस को कन्फर्म हुआ कि गेजलर लापता है। फिर पुलिस ने उसको ढूंढना शुरू किया। मैकजी का कहना है कि गेजलर उसका इस्तेमाल करता था लेकिन जब वह ड्रग्स मांगने लगा तो उसने इनकार कर दिया। गेजलर उसके नॉस्ट्रैंड अवेन्यू वाले फ्लैट में आया जाया करता था। मैकजी ने बताया कि उसे गेजलर से पहले से ही नफरत थी। वह एक यौन अपराधी भी था। 2005 में उसपर एक 12 साल के लड़के की प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया था। उसने पहले गेजलर को थप्पड़ मारा और फिर जोरदार वार करके बेहोश कर दिया। वह रातभर वहीं पर पड़ा रहा। इसके बाद जब वह नहीं उठा तो किचन के चाकू से उसने हत्या कर दी। बाद मे हथोड़े से भी उसके सिर पर वार किया। जान से मारने के बाद मैकजी ने उसकी जेब से ड्रग्स निकाला और स्मोक किया। हत्या के बाद कई दिनों तक गेजलर का शव अपार्टमेंट में ही पड़ा रहा। जब यह सड़ने लगा तो मैकजी ने इसे टुकड़ों में काट डाला। इसके बाद शव को प्लास्टिक बैग में भरकर एक सूटकेस में डालकर फ्रिज में रख दिया। लेकिन बाद में पुलस ने ढूढ निकाला।

नजम सेठी का बेतुका बयान, भारत के इशारे पर ईरान ने किया हवाई हमले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और नवाज शरीफ के करीबी नजम सेठी ने ईरान के मिसाइल हमले को लेकर हास्यास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने भारत के कहने पर पाकिस्तान पर हवाई हमले किए थे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने केवल भारत को संदेश भेजने के लिए भाईचारे वाले देश के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। शरीफ के करीबी सेठी का यह बयान काफी चर्चा में है। रक्षा जानकार बयान का मजाक उड़ा रहे हैं और सेठी के बयान पर सवाल भी उठा रहे हैं। नजम सेठी ने कहा, इसके पीछे जो हमारा शक है कि ईरान और भारत बहुत नजदीक हैं। भारत और ईरान का जो गठजोड़ है, उसके दो-तीन पहलू हैं। हो सकता है कि उन्होंने पाकिस्तान के ऊपर जो स्ट्राइक की है, उसका आईडिया भारत ने उन्हें दिया हो। भारत चेक कर रहा है कि पाकिस्तान कैसे जवाब देता है या नहीं और ईरान से करवाकर देखा जाए कि पाकिस्तान जवाब देता है या नहीं। इसलिए, भाईचारा वाला देश होने के बावजूद हमने बिलकुल सटीक जवाब दिया। सेठी ने कहा, हमारी जवाबी कार्रवाई ने पैगाम ईरान को नहीं दिया, बल्कि वह भारत को दिया। इस पर एंकर ने सेठी से कहा कि और अफगानिस्तान को भी जवाब दिया। इस पर सेठी ने कहा, देखिए, अफगानिस्तान को नहीं, क्योंकि वे हम पर मिसाइल नहीं दाग रहे। मुख्य रूप से यह भारत के लिए मैसेज था। यह एक तरह का संकेत दिया जा रहा है।

चुपचाप मालदीव पहुंचे चीनी उपप्रधानमंत्री, शुरु हुई ड्रैगन की खुराफात

माले । मालदीव की सत्ता में आने के बाद से लगातार राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन के साथ घनिष्ठता बढ़ रहे हैं। दरअसल मुइज्जू भारत विरोधी और चीन समर्थक राष्ट्रपति माने जाते हैं। हालांकि वे कहते हैं कि वह किसी भी देश के साथ नहीं हैं, बल्कि वह मालदीव के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि चीन ने उन्हें अपने जाल में फंसा लिया है। पिछले माह मुइज्जू की चीन यात्रा के बाद अब ड्रैगन के इस काम में तेजी आ गई है। चीनी उपप्रधानमंत्री लियू गुओझोंग की 24 जनवरी की यात्रा पहला उदाहरण है। अपनी यात्रा के दौरान गुओझोंग ने मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर से मुलाकात की। उनकी यह यात्रा बेहद गुपचुप तरीके से हुई है, जो दिखाता है कि संभवतः चीन यहां किसी तरह की साजिश में जुट गया है। हालांकि बातचीत के एजेंडे में मालदीव के पर्यटन को बढ़ावा देने से जुड़ी चीजें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन के शेडोंग प्रांत ने मालदीव के शहर, स्थानीय सरकार और लोक निर्माण मंत्रालयों को 10 नागरिक वाहन दान करने का फैसला किया है। नागरिक वाहन में कार, एंबुलेंस, ट्रक जैसी चीजें आती हैं। इस तरह चोंगकिंग म्यूनिसिपल कमीशन ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म डेवलपमेंट इस साल चीनी नव वर्ष के दौरान माले में प्रदर्शन करने के 14 सदस्यीय सांस्कृतिक समूह तैनात करेगा।

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान आपस में भिड़े खालिस्तान समर्थक

वॉशिंगटन । खालिस्तान समर्थक अमेरिकी राज्य सैन फ्रांसिस्को में भिड़ गए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि गैंग किस तरह से खालिस्तान के नाम पर सक्रिय हैं। 28 जनवरी को सैन फ्रांसिस्को में कथित जनमत संग्रह का आयोजन किया गया। यहां भारत के खिलाफ पोस्टर लगाए गए थे। लेकिन तभी खालिस्तान समर्थक गुटों की आपसी लड़ाई सामने आई है। झगड़े का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि दो गुटों के समर्थक एक दूसरे पर लात घूसे चला रहे हैं। एक गुट का नेतृत्व मेजर सिंह निज्जर और दूसरे का सरबजीत सिंह सबी की ओर से किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक खालिस्तानी आतंकी गुरवंत सिंह पन्नू की ओर से निज्जर ग्रुप को किनारे किया जा रहा है। इस कथित जनमत संग्रह में पन्नू भी मौजूद था। विदेशों में बैठे खालिस्तान समर्थकों की ओर से यूके-कनाडा में भी कथित जनमतसंग्रह का आयोजन किया गया। कनाडा में एक खालिस्तान समर्थक के घर पर फायरिंग की खबर आई थी। यह भी गैंगवार हो सकता है। लेकिन बिना जांच के ही आरोप भारत के खिलाफ मढ़ दिए गए हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद पर अदालत का फैसला ऐतिहासिक : अमरीकी हिंदू

वाशिंगटन । अमरीका में एक प्रमुख हिंदू अमरीकी समूह ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में हिंदू भक्तों को पूजा-अर्चना की अनुमति दिए जाने के वाराणसी जिला अदालत के फैसले का स्वागत किया। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमरीका (वीएचपीए) और लगभग 6 अन्य हिंदू अमरीकी समूहों ने एक बयान जारी कर इसे ऐतिहासिक फैसला करार दिया। मीडिया के लिए जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि वीएचपीए माननीय न्यायालय द्वारा सोच-विचार कर लिए गए इस न्यायसंगत निर्णय की बहुत सराहना करता है। यह ऐतिहासिक फैसला उन अधिकारों को बहाल करता है जो नवम्बर, 1993 में हिंदुओं से गैर कानूनी तरीके से छीन लिए गए थे। इसमें कहा गया कि वीएचपीए इस बात पर जोर देता है कि यह मामला किसी अल्पसंख्यक समूह के खिलाफ संघर्ष का नहीं बल्कि मूल रूप से संपत्ति के अधिकारों से जुड़ा है। हिंदू पक्ष द्वारा प्रस्तुत अकाट्य साक्ष्यों पर आधारित यह निर्णय न्याय के सिद्धांतों के बिल्कुल अनुरूप है।

जापान के युमेशिमा में चीन मंडप के भूमि पूजन समारोह में भाग लेते मेहमान, चीन मंडप ने शुक्रवार को यहां भूमि पूजन किया, जिससे हरित विकास और मानव-प्रकृति सद्भाव को उजागर करने वाले आयोजन स्थल के निर्माण की शुरुआत हुई। चीन का मंडप एक्सपो में सबसे बड़े स्व-निर्मित मंडपों में से एक है।

भारतीय तटरक्षक बल ने हमारी नौकाओं पर छापा क्यों मारा : मालदीव

माले । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तय कर लिया है कि वे भारत के साथ संबंधों को तोड़कर ही दम लूंगा। इस कारण शनिवार को भारत-मालदीव कोर ग्रुप की दूसरी बैठक के दौरान मालदीव के नुमाइंदों ने तनाव बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मुइज्जू सरकार ने भारत से लिखित में पूछा है कि भारतीय तटरक्षक बल ने मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर छापा क्यों मारा। हालांकि, मालदीव की नौसेना ने इससे इंकार किया है कि उनके जलक्षेत्र में विदेशी सैनिकों की उपस्थिति थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव सरकार ने भारत सरकार को मालदीव विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों में भारतीय तटरक्षक कर्मियों के प्रवेश का कारण लिखित में देने के लिए लिखा है। मुइज्जू सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हम लोगों ने भारत से लिखित जवाब मांगा है कि हमें बताएं कि यह कैसे हुआ। हालांकि मालदीव के इस मीडिया रिपोर्ट पर भारत की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं आई है। मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स ने कहा है कि तटरक्षक बल उन विदेशी सैनिकों की राष्ट्रीयता निर्धारित करने में असमर्थ है जो कथित तौर पर मालदीव के जल क्षेत्र में मछली पकड़ने वाली कई नौकाओं पर सवार हुए थे। एमएनडीएफ के एक मीडिया अधिकारी ने बताया कि जब मालदीव के तटरक्षक जहाज देश के उत्तर में असुरूमा 3 मछली पकड़ने वाले जहाज के पास पहुंचा, तब उस क्षेत्र में विदेशी सैनिक नहीं थे।

85 ठिकानों पर हवाई हमले करके अमेरिका ने ईरान से लिया बदला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान के 85 ठिकानों पर हवाई हमले करके बदला लेना शुरु कर दिया है। बता दें कि जॉर्डन में बेस पर हुए हमले के बाद अब अमेरिका की कार्रवाई तेज हो गई है। अमेरिका ने इराक और सीरिया में ईरानी बलों और ईरान समर्थित आतंकियों की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे 85 ठिकानों पर शुक्रवार को हमले किए। पिछले सप्ताह जॉर्डन में तीन अमेरिकी सैनिकों की एयर स्ट्राइक में मौत हो गई थी, जिसके जवाब में यह हमला किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने संवाददाताओं को बताया कि अमेरिकी सैन्य बलों ने क्षेत्र में अमेरिकी कर्मियों पर हमले से जुड़ी सात फैसिलिटी को निशाना बनाया। इन फैसिलिटी में कंट्रोल ऑपरेशन, खुफिया केंद्र, रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन भंडारण शामिल हैं।

इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि हमारी प्रतिक्रिया आज से शुरू हुई। आगे भी यह जारी रहेगी और इसकी जगह और समय हम तय करेंगे। राष्ट्रपति बाइडेन ने एक बयान में कहा कि यूएस मध्य पूर्व या दुनिया में कहीं भी संघर्ष नहीं चाहता। लेकिन जो हमें नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, उन्हें यह जान लेना चाहिए कि अगर आप किसी अमेरिकी को नुकसान पहुंचाते हैं तो हम जवाब देंगे। सीरिया के सरकारी टेलीविजन के मुताबिक हमले में लोगों के मारे जाने और घायल होने की खबर है। लेकिन इनकी सटीक संख्या नहीं बताई गई।

उधर किर्बी ने कहा कि अमेरिका को नहीं पता कि कितने आतंकी मरे या घायल हुए, लेकिन लक्ष्यों का चयन इस हिसाब से किया गया कि आम लोग हताहत न हों। उन्होंने कहा कि इन टार्गेट्स के अमेरिकी सैनिकों पर हमले को लेकर हमारे पास पुख्ता सबूत थे। लेफ्टिनेंट जनरल डगलस ए. सिम्स ने कहा कि अमेरिका ने यह जानते हुए हमला किया कि इन जगहों का इस्तेमाल ईरान समर्थित लड़ाकों और ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की ओर से किया जाता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमलों में 125 से ज्यादा हथियारों का इस्तेमाल किया है।

जीवनभर जेल में ही रहेंगे इमरान, 14 और 10 साल के बाद अब इस मामले में हुई 7 वर्ष की सजा

तेहरान (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा खान को शनिवार को एक अदालत ने सात साल जेल की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया। इस सप्ताह विवादों में घिरे पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ यह तीसरा प्रतिकूल फैसला था और गुरुवार को राष्ट्रीय चुनावों से पहले आया है कि उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। जेल में बंद 71 वर्षीय खान को हाल के दिनों में राज्य के रहस्यों को लीक करने के लिए 10 साल और इस पत्नी के साथ अवैध रूप से राज्य के उपहार बेचने के लिए 14 साल की सजा सुनाई गई है। एआरवाई न्यूज ने बताया कि दोनों पर 500,000 रुपये (1,800) का जुर्माना लगाया गया।

बुशरा पर अपने पिछले पति को तलाक देने और खान से शादी करने के बाद इस्लाम द्वारा निर्धारित प्रतीक्षा अवधि, जिसे इद्दत कहा जाता है, को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया गया था। पूर्व क्रिकेट सुपरस्टार के पहली बार प्रधान मंत्री बनने से सात महीने पहले जनवरी 2018 में एक गुप्त समारोह में खानों ने अपने विवाह अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिसे निकाह कहा गया।

इससे पहले एक पाकिस्तानी अदालत ने पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी को भ्रष्टाचार के लिए 14 साल की जेल की सजा सुनाई थी, इसके एक दिन बाद एक अन्य विशेष अदालत ने खान को राज्य के रहस्यों को लीक करने के लिए दोषी ठहराया और उन्हें 10 साल की जेल की सजा दी। खान और उनकी पत्नी पर पूर्व प्रधानमंत्री के सत्ता में रहने के दौरान सरकारी उपहारों को अपने पास रखने और बेचने का आरोप है।

तेल के खेल में सऊदी अरब ने लिया बड़ा फैसला

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब ने 2027 तक अपनी तेल उत्पादन क्षमता को 8 प्रतिशत बढ़ाकर 13 मिलियन बैरल प्रति दिन करने की योजना पर विराम लगा दिया है। प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के इस अप्रत्याशित निर्णय ने भविष्य की तेल मांग पर सऊदी अरब के दृष्टिकोण के बारे में अटकलों को तेज कर दिया है। सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको की घोषणा ने इस बात पर चर्चा तेज कर दी है कि क्या कम कार्बन ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव के बीच रियाद तेल के खपत के बादे में अधिक उत्साहित नहीं दिख रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि सऊदी अरब तेल के भविष्य को लेकर चिंतित है। इसका अन्य महत्वपूर्ण कारक प्रतिद्वंद्वी तेल उत्पादकों, विशेष रूप से अमेरिकी शेल से प्रतिस्पर्धा है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि रियाद का निर्णय तेल उत्पादन को बढ़ाने की योजना को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डालना नहीं है। वह सिर्फ आने वाले वर्षों में तेल की मांग में संभावित कमी की आशंका के कारण चिंतित है। जानकार का सुझाव है कि रियाद ओपेक+ गठबंधन के बाहर बढ़ी हुई आपूर्ति से उत्पन्न चुनौतियों का जवाब दे रहा है, जो बदलते बाजार की गतिशीलता के अनुकूल एक रणनीतिक कदम का संकेत है। प्रतिद्वंद्वी आपूर्तिकर्ताओं, विशेष रूप से अमेरिकी शेल के उत्पादन में वृद्धि, सऊदी अरब और उसके ओपेक+ सहयोगियों के लिए लगातार चिंता का विषय रही है। लगभग एक दशक पहले शुरू हुई शेल तेल क्रांति का वैश्विक तेल बाजारों पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट आई। कोरोना महामारी के दौरान शेल ड्रिलर्स के पीछे हटने के बावजूद, उन्होंने हाल के वर्षों में वापसी की है, जिससे प्रति दिन 13 मिलियन बैरल से अधिक का रिकॉर्ड-तोड़ उत्पादन हुआ है। इसमें अधिकतर उत्पादन अमेरिका में हुआ है। सऊदी अरब का निर्णय वैश्विक तेल बाजार के रुझान से जुड़ा हुआ है, घरेलू कारक भी इसमें भूमिका निभा रहे हैं।

चुनावों से छेड़छाड़... कनाडा ने भारत को बताया विदेशी खतरा, चीन को लेकर भी कह दी बड़ी बात

लंदन (एजेंसी)। कनाडा ने अपनी धरती पर एक खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या में दिल्ली की भूमिका का आरोप लगाने के महीनों बाद भारत को एक विदेशी खतरा बताया है जो संभावित रूप से उनके चुनावों में हस्तक्षेप कर सकता है। भारत सरकार ने अभी तक ताज़ा आरोप पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह आरोप कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा द्वारा ग्लोबल न्यूज द्वारा प्राप्त एक अवर्गीकृत खुफिया रिपोर्ट में लगाया गया था। यह पिछले साल कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय भूमिका का दावा करने के साथ शुरू हुए आरोपों और प्रत्यारोपों की कड़ी में ताजा अटैक है। इस आरोप को भारत ने अस्वीकार किया है। अक्टूबर 2022 की रिपोर्ट जिसका शीर्षक 'विदेशी हस्तक्षेप और चुनाव-एक राष्ट्रीय सुरक्षा आकलन' है, ने भारत को 'खतरा' बताया और चेतावनी दी कि विदेशी हस्तक्षेप कनाडा के लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

ग्लोबल न्यूज ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि विदेशी हस्तक्षेप पारंपरिक कूटनीति से अलग है क्योंकि इसमें सार्वजनिक कथाओं और नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए गोपनीयता और धोखे का इस्तेमाल किया जाता है। यह पहली बार है जब कनाडा ने भारत पर चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप लगाया है, यह आरोप चीन और रूस पहले से ही झेल रहे हैं। पिछले साल फरवरी में विदेशी हस्तक्षेप पर लोकतांत्रिक संस्थानों के मंत्री की ब्रीफिंग' में चीन को अब तक का सबसे महत्वपूर्ण खतरा बताया गया था। रिपोर्ट में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का जिक्र

किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि हम जानते हैं कि पीआरसी ने 2019 और 2021 के संघीय चुनावों को गुप्त रूप से और भ्रामक रूप से प्रभावित करने की कोशिश की थी।

मीडिया ने कहा कि दस्तावेज़ के हिस्सों में किसी देश का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन अन्य सामग्रियों में भारत और चीन को शीर्ष ख़तरे के रूप में बताया गया है। इसमें कहा गया है कि विदेशी हस्तक्षेप 'संप्रभुता, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और मूल्यों को नष्ट करके' कनाडा और कनाडाई लोगों को नुकसान पहुंचाता है। इसमें कहा गया है कि एफआई (विदेशी हस्तक्षेप) गतिविधियां कनाडा के लोकतंत्र के ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं, बहुसांस्कृतिक समाज की कड़ी मेहनत से हासिल की गई सामाजिक एकजुटता को कमजोर कर रही हैं और कनाडाई लोगों के चार्टर अधिकारों का हनन कर रही हैं। पिछले साल दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने देश में बढ़ती अलगाववादी गतिविधियों पर जस्टिन ट्रूडो को डांटने के बाद से भारत और कनाडा के बीच तनाव पैदा हो गया था।

17 हजार बच्चे हुए अनाथ, 12 हजार की मौत, गाजा में युद्ध अभी जारी है

गाजा (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच युद्ध अभी थमा नहीं हैं। हर रोज लाशें गिर रहीं है। बच्चे अनाथ हो रहे हैं और विधवा महिलाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। कोई बेघर हो गया है तो कोई अपना सब कुछ खो चुका है।

हमास के इजरायल पर हमले और फिर गाजा में इजरायली अटैक के बाद यह बच्चों का सबसे बड़ा कब्रिस्तान बन गया है। आंकड़ों के मुताबिक गाजा में अब तक 27 हजार से ज्यादा मौतें हुई हैं उनमें से करीब 12 हजार बच्चे ही हैं। इसके अलावा यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक 17 हजार बच्चों के मां-बाप का पता नहीं है। इस तरह हमास और इजरायल के बीच की यह जंग बच्चों के लिए सबसे भारी पड़ी है। गाजा में बचे हुए बच्चों पर भी संकट मंडरा रहा है।

भुखमरी और कुपोषण बड़ी समस्या बन गई है। ऐसे में इस युद्ध में गाजा के बच्चों का भविष्य स्वाहा हो गया। यूनसेफ ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में उन्हें बहुत सपोर्ट की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक यूनसेफ के एक अधिकारी ने कहा कि गाजा में हर बच्चे की की एक दर्दनाक कहानी है। उन्होंने कहा कि गाजा में लगभग 17 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं अनाथ होने वाले बच्चे इस आबादी का कुल एक पर्सेंट हैं। हालांकि ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। गाजा में जो माहौल है उसमें आँकड़े इकट्ठे करना और फिर वेरिफाइ करना भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, गाजा में बच्चों के ऐसे हालात हैं कि वे कई बार अपना नाम तक नहीं बता पाते। अस्पताल बच्चों से पटे-पड़े हैं। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में लाया जाता है। कई बच्चे हालात देखकर बेहोश हो जाते हैं। उन्हें इतना सदमा लगा होता है कि अपना नाम तक भूल जाते हैं।

ऐसे में बहुत सारे लोग उन बच्चों को अपने पास रखते हैं। जो बच्चे अनाथ हो गए हैं, वे भी किसी ना किसी परिवार का सहारा ले रहे हैं। हालांकि यह भी बहुत मुश्किल काम है। लोग अपना ही पेट भरने के लिए तरस रहे हैं। ऐसे में किसी और के बच्चे का सहारा बनना आसान नहीं है। यूनीसेफ का कहना है कि गाजा में 5 लाख बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य सपोर्ट देने की जरूरत है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गाजा में 27 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं 66 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। गाजा के अस्पताल दवाइयों और सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। हजार से ज्यादा लोग लापता हैं या मलबे में दबे हुए हैं।

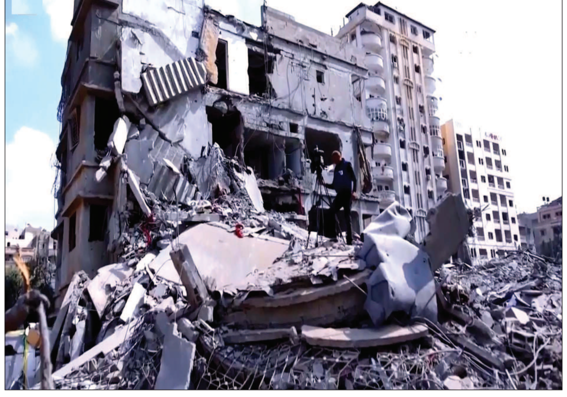

संपादकीय

बेटे की गिफ़्ट, पिताजी को

आज के समय में हम देखते है बेटे बड़े होकर अपने पिता को अपने हिसाब से अच्छे से अच्छा उपहार देते है लेकिन बेटे यह क्यों भूल जाते है कि माँ – बाप को आपके द्वारा कीमती वस्तुओं से अच्छा उपहार उनके साथ में समय देना होता है । विशेष सौभाग्यशाली व गौरवान्वित होने की बात है,जिस घर में बुजुर्ग होते हैं,वो घर पूरी तरह सुरक्षित रहता है।बड़ों का तो घर में होना ही बहुत बड़ा सुरक्षा कवच होता है,निर्भयता होती है उस घर में। किस्मत वाले होते हैं वे लोग जिनके सिर पर बुजुर्गों का हाथ होता है । कहने को सभी से यही सुनते आ रहे हैं, पर फिर भी समाज में बुजुर्ग आज के समय में एकांकी रहने को विवश है क्योंकि आज बच्चे अलग अलग शहरों में जीविका के कारण रह रहे हैं और दुनिया देख चुके अपने बड़े बुजुर्गों को दरकिनार कर आजकल के युवा अपने नए सोच से अपनी जिंदगी को सँवारना चाहते हैं परंतु उन्हें यह सोचना होगा कि वे भी इस अवस्था में जरूर आएंगे, तब उनके बच्चे भी आजादी चाहेंगे,वे भी उन्हें अपने परिवार में देखना पसंद नहीं करेंगे, क्योंकि वह बचपन से ही यही देखते आ रहे हैं। युवाओं को अपना थोड़ा समय निकालना होगा और अपने बुजुर्गों को सम्मान देना होगा आखिर वे आज जो कुछ भी है अपने बुजुर्गों के कारण ही है। साथ ही बुजुर्गों को भी आज के समय आज का समय और परिस्थितियों को देखते हुए बच्चों के विषय में सकारात्मक रुख अपनाना होगा। हमें अपने एक स्वस्थ और मजबूत समाज की रचना के लिए अपने बुजुर्गों के मार्गदर्शन की आवश्यकता हमेशा रहेगी । सही मायने में समय रूपी उपहार ही बेटे की गिफ़्ट पिताजी को होता है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान–पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन–देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला — आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्पूरी ठाकुर के बाद लाल कृष्ण आडवाणी हुए भारत रत्न

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा कर पिछडो को साधने की कौशिश के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षो से गुमनाम जिंदगी जी रहे अपने राजनीतिक गुरु एवं भाजपा के वरिष्ठतम नेता पूर्व उपप्रधानमंत्री को भारत रत्न देने की घोषणा कर आडवाणी खेमे के खास वर्ग को संतुष्ट करने की कौशिश की है,जिसे 2024 के चुनाव से भी जोड़कर देखा जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से नवाजे जाने की जानकारी स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर करके दी है।मोदी ने कहा कि उन्हें ये साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने उनसे बात की और उन्हें बधाई दी। आडवाणी हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक है। लाल कृष्ण आडवाणी की बेटी प्रतिभा ने बताया कि भारत रत्न दिए जाने की बात सुनकर वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह देश के प्रति शुक्रगुजार हैं।प्रतिभा ने इस अवसर पर अपनी मां को याद किया, जिनका लालकृष्ण आडवाणी के जीवन में बहुत बड़ा योगदान रहा है। प्रतिभा आडवाणी ने कहा, मैंने जब दादा यानि अपने लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न के बारे में बताया तो वे बहुत खुश हुए, उन्होंने यही बात कही कि उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में लगाया और देश के शुक्रगुजार हैं। 96 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी का जन्म सन 1927 में पाकिस्तान के कराची में हुआ था। उनका राजनीतिक सफर बेहद दिलचस्प रहा है।सन 1942 में ही वे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के स्वयंसेवक बन गए थे । आजादी के बाद उनका पूरा परिवार पाकिस्तान से भारत आ गया था। यहां वे पहले जनसंघ से जुड़े, फिर जनता पार्टी में दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ काम किया। आपातकाल के बाद भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य बनने के बाद सन 1988 में वे पहली बार भारत के गृह मंत्री बने थे। जून 2002 से मई 2004 तक अटल बिहार वाजपेयी की सरकार के दौरान वे देश के उप प्रधानमंत्री भी रहे। लालकृष्ण आडवाणी 5 बार लोकसभा और 4 बार राज्यसभा से सांसद रहे हैं। वे 3 बार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भी रहे चुके हैं ,उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने का ऐलान किया गया है,यह सम्मान कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा और खेल के क्षेत्र में देश के लिए असाधारण योगदान देने वाले लोगों को दिया जाता है। मुझे लाल कृष्ण आडवाणी से मिलने का किस्सा याद आ रहा है। मैं जब सन 1986 के बाद से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय था,तब कार सेवा के दौरान कार सेवा के नायक लाल कृष्ण आडवाणी व मदन लाल खुराना के साक्षात्कार किए थे। यह नवंबर सन 1993 की बात है।उन दिनों भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी हुआ करते थे।जो राम जन्मभूमि मंदिर के लिए निकाली गई रथ यात्रा के भी नायक थे।उनकी यात्रा दिल्ली से मेरठ,मुजफ्फरनगर होते हुए हरिद्वार पहुंचनी थी।उनकी इस यात्रा पर एक इंटरव्यू करने के लिए मैंने उनके निजी सचिव दीपक चौपड़ा से सम्पर्क किया तो आडवाणी जी से इंटरव्यू का समय उनकी ही गाड़ी लेने के लिए तय हो गया।जैसे ही उनकी यात्रा मुजफ्फरनगर से नारसन पहुंची तो मुझे आडवाणी जी के साथ उनके पीछे चल रही मिनी बस नुमा गाड़ी में बैठने के लिए कहा गया ,नारसन में कार्यकर्ताओं से स्वागत कराकर आडवाणी जी भी उसी गाड़ी में आ गए और गाड़ी के चलते ही इंटरव्यू का सिलसिला भी शुरू हो गया।उन दिनों पांच राज्यो में विधानसभा चुनाव का प्रचार भी चल रहा था।इसलिए मैंने पहला सवाल दागा, आखिर कब तक आप अयोध्या मुद्दे पर ही वोट मांगते रहेंगे?आडवाणी जी ने जवाब दिया जब तक राम मंदिर अयोध्या के गर्भ ग्रह पर नही बन जाता। मैंने कहा,6 दिसम्बर का अयोध्या कांड कराने की क्या आपकी पहले से कोई योजना थी?उत्तर था,नही ,हमारी योजना इस प्रकार की नही थी,हम कानून के द्वारा विवादित ढांचा हटवाना चाहते थे परंतु यदि वह ध्वस्त हो गया तो कोई अनर्थ भी नही हुआ, बल्कि लोग खुश हुए।क्या विवादित ढांचे के ध्वस्त होने पर लोगो की तरह आप भी खुश हुए?आडवाणी तपाक से बोले,मैं क्या लोगो से बाहर हूं।मैंने सवाल बदला उत्तर प्रदेश में कितनी सीटे मिल जाएगी? वे बोले,बहुमत मिलेगा।मैंने कहा, नही मिला तब?इस पर उन्होंने सफाई दी कि आप और हम इस गाड़ी से हरिद्वार जा रहे है,यदि रास्ते मे एक्सीडेंट हो गया तब?(हंसने लगे)मैंने सवाल की दिशा बदली,आपकी पार्टी में भी अंतर्कलह के स्वर उभर रहे है?वे बोले,एक बड़े संगठन में चार लोगों के बीच कुछ मतभेद हो सकते है।प्रतिद्वन्वता किसके साथ है,बोले कही कांग्रेस तो कही जनता दल।क्या आप कभी शाही इमाम से मिले है?उत्तर था,व्यक्तिगत तौर पर कभी नही,एक बार उन्हें कार्यक्रम में देखा था।मैंने पूछा, क्या आप मुसलमानों को अपनी तरफ झुका पाए?इस पर आडवाणी जी ने कहा कि ज्यादा नही,यदि उत्तर प्रदेश में कल्याण सरकार पूरे पांच वर्ष चलती तो मुसलमान हमारे साथ होते ।मैंने पूछा, इस बार चुनाव में आपके पास कोई मुद्दा नही है?वे बोले,इशूज न हो, मैं नही मानता।हिमाचल, मध्यप्रदेश, राजस्थान में भाजपा सरकारों की उपलब्धियां ,कल्याण सरकार के समय कोई दंगा न होना ,शिक्षा में महत्वपूर्ण परिवर्तन आदि,मंदिर निर्माण से अलग इशूज है।मैंने कहा,राम लहर इस बार नही है,आपका क्या कहना है?वे बोले,आज राम लहर है जबकि विगत चुनाव में नही थी।मैं 33 प्रतिशत वोट प्राप्त करने को राम लहर नही मानता।तो क्या राम लहर से आपकी नैय्या पार हो जाएगी?उत्तर मिला, क्यो नही,हर्षद कांड,भ्र्ष्टाचार और कांग्रेस सरकार के अन्य कई घोटालों के नाम पर इतनी भीड़ इकठी नही होती जितनी राम के नाम पर होती है।कश्मीर के बारे में क्या खयाल है?आडवाणी ने कहा कि कश्मीर को संविधान का हिस्सा बनने का अवसर ही नही दिया गया और कश्मीर गलत हाथो में चला गया ।वहां की समस्या भ्र्ष्टाचार व अनफेयर सलेक्शन है। इससे पूर्व कार सेवा के दौरान कार सेवको को जगह जगह गिरफ्तार किया जा रहा था।बड़े नेताओं में अटल बिहारी वाजपेयी को गिरफ्तारी के बाद सरसावा शुगर मिल के गेस्ट हाऊस में रखा गया था तो दिल्ली के नेता मदन लाल खुराना देवबंद की नई बनी जेल में बंद थे।खैर ,देर से ही सही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने राजनीतिक गुरु आडवाणी जी को भारत रत्न देंकर गुरु दक्षिणा का भार उतार दिया है।उन्हें यानि आडवाणी जी को बधाई। (लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

दहेज प्रथा रुपी कलंक को समूल नष्ट करना होगा

लेखक अरविन्द जैमिनी

भारत एवं दुनियां के अन्य देशों में दहेज प्रथा का लम्बा इतिहास बताया जाता है। आज के आधुनिक समय में भी दहेज़ प्रथा नाम की बुराई हर जगह फैली हुई है। दहेज मूल रूप से विवाह के दौरान वधू पक्ष द्वारा वर पक्ष को दिए जाने वाले नकदी, आभूषण, फर्नीचर, संपत्ति तथा अन्य कीमती वस्तुओं आदि का आदान–प्रदान करना है। यह सदियों से भारत में धनाढ्य व्यक्तियों व्दारा समाज में अपना रुतवा दिखाये जाने की प्रचलित प्रथा भी है। जिसमें दहेज देना –लेना या दहेज के लिये उकसाना तथा वधु के माता–पिता या अभिभावकों से प्रत्यक्ष –अप्रत्यश्र रुप से दहेज़ की मांग करना। आज के समय में यह प्रथा समाज में मुख्य बुराइयों में से एक है, जो कि हमारे समाज में एक बहुत बड़ा अभिशाप बन चुकी है। दहेज प्रथा के कारण ही महिलाओं को एक दायित्व के रूप में देखा जाता है और उन्हें अक्सर अधीनता हेतु विवश किया जाता है। संकीर्ण एवं छोटी मानसिकता के व्यक्ति विवाह को धन प्राप्त करने का एक अच्छा अवसर मानते हैं और कन्या पक्ष से अधिक से अधिक धन की मांग करके क्षणिक समय के लिये अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना, भीख लेने का एक सामाजिक तरीका अपनाते हैं। झूठी प्रतिष्ठा व शान का प्रदर्शन करना भी दहेज प्रथा का एक मुख्य कारण है, जिस कारण यह एक घृणित सामाजिक समस्या है। संपन्न तथा शिक्षित परिवार में बेटी खुश रहेगी यह सोचकर मजबूरी में अपनी क्षमता से बाहर जाकर लड़की के माता पिता किसी तरह शादी के लिए दहेज में चाहे गए सामान जुटाते हैं। समाज का गरीब तबका प्राय: दहेज में मदद के लिये अपनी बेटियों को शिक्षा की जगह मजदूरी कराते हैं, ताकि वे कुछ पैसे इकट्ठा कर सकें। मध्यम और उच्च वर्ग के परिवार अपनी बेटियों को स्कूली शिक्षा तो देते हैं, लेकिन उनके कॅरियर विकल्पों पर जोर नहीं देते। इसके चलते परिवार लड़कियों को बोझ के रूप में देखने लग जाते हैं। देश में लड़कियों की एक बडी संख्या शिक्षित और पेशेवर रूप से सक्षम होने के बावजूद अविवाहित रह जाती है। क्योंकि उनके माता–पिता विवाह पूर्व दहेज की मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आदि के माध्यम से आये दिन ज्ञात होता है कि दहेज के कारण महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध होना, भावनात्मक शोषण होना और चोट से लेकर मौत तक शामिल की खबरें शामिल होती हैं। अधिकांशत: घर परिवार में बच्ची के जन्म लेने वाले दिन से ही माता–पिता चिंतित हो जाते हैं कि उसकी शादी में फलां सामान देंगे, फलां सम्पत्ति देंगे आदि–आदि। जिसके परिणाम स्वरुप बड़ी मात्रा में दहेज देने के दबाव के कारण अक्सर परिवार कर्ज में डूब जाते हैं। सरकार व्दारा दहेज प्रथा की समाप्ति हेतु कानून बनाये हैं, लागू किये गये हैं। लेकिन इस समस्या की सामाजिक प्रकृति के कारण यह कानून समाज में वांछित परिणाम देने में विफल रहे हैं। दहेज प्रथा को रोकना वर्तमान में बहुत जरुरी है। यदि यह प्रथा ऐसे ही चलती रही तो लाखों जिंदगियां व परिवार तबाह होते रहेंगे। दहेज प्रथा के निवारण के लिए सामाजिक जागरूकता लाना बहुत आवश्यक है, जिसके लिये सर्वप्रथम समाज को जागरुक करना होगा तथा नैतिक चेतना लानी होगी। विवाह का पंजीकरण एवं विवाह के अवसर पर दिए जाने वाले उपहारों को सूचीबध्द कर उसकी वीडियोग्राफी कराना तथा शासकीय सेवकों व्दारा दिये गये अचल संपति के ब्यौरे की तर्ज पर वर–वधू पक्ष से दहेज के लेनदेन का ब्यौरा लिया जा सकता है। देश में बच्चों एवं युवाओं को दी जाने वाली प्रथमिक एवं उच्चतर शिक्षा में दहेज प्रथा की समाप्ति हेतु सरकार को विद्वानों व लेखकों की दहेज विरोधी रचनाओं, लेखों को ज्यादा से ज्यादा शामिल किया जा सकता है। कला के क्षेत्र में कार्य कर रहे कला प्रेमियों व्दारा अधिक से अधिक नुक्कड नाटक करना, शोर्ट फिल्में तैयार कर उनका प्रदर्शन करना होगा। वर्तमान में चंबल संभाग के संत श्री हरिगिरि जी महाराज व्दारा दहेज प्रथा के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के गुर्जर समाज में सकारात्मक परिणाम देखे जा रहे हैं। अत- संत श्री हरिगिरि जी महाराज का अनुसरण करते हुये समस्त समाज सेवियों, धर्म गुरुओं, साधू संतों, पुजारियों तथा पंडित – पुरोहितों व्दारा दहेज प्रथा के विरुध्द देश भर में सघन अभियान चलाये जाने की आवश्यक्ता है। दहेज प्रथा की बुराइयों के प्रति समाज की अंतरात्मा को पूरी तरह से जगाने की सख्त आवश्यक्ता है, ताकि समाज में दहेज की मांग करने वालों की प्रतिष्ठा को धक्का लग सके तथा दहेज प्रथा रुपी कलंक को समूल नष्ट किया जा सके।

(लेखक अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा जिला ग्वालियर के अध्यक्ष हैं)

विचार मंथन

कल्याणकारी 37 योजनाओं में से 26 में भारी कटौती

(लेखक–सनत जैन)

आईएफएम के दबाव में बना अंतरिम बजट

केंद्र सरकार ने राजकोषीय घाटा कम करने के लिए केंद्र की, जो 37 कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं, उनमें से 26 योजनाओं में कटौती कर दी है। समग्र शिक्षा अभियान में लगभग 10 फ़ीसदी की कटौती की गई है। वहीं एसटी–एससी विकास के कार्यक्रमों के लिए लगभग 27 फ़ीसदी की कटौती की गई है। पीएम आवास योजना में भी 28 फ़ीसदी की कटौती की गई है। पीएम श्री योजना में 32 फ़ीसदी, स्वच्छ भारत अभियान में 49 फ़ीसदी, आयुष्मान इंफ्रा मिशन में 50 फ़ीसदी, कृषि एवं सिंचाई की योजनाओं में 19 फ़ीसदी, अमृत योजना में 17 फ़ीसदी और कृषि विकास योजना में लगभग 14 फ़ीसदी की कटौती की गई है। वर्ष 2023–24 के बजट में 4.69 लाख करोड़ का आवंटन केंद्र सरकार द्वारा किया गया था। संशोधित बजट के अनुसार अब वेलफेयर स्कीम का आवंटन ओवरऑल 6 फीसदी घटा दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा 2024–25 के लिए जो अंतरिम बजट पेश किया गया है, उसमें भी सरकार ने फूड फर्टिलाइजर और फ्यूल सब्सिडी में कटौती की है। अंतरिम बजट में खाद्य सब्सिडी में 3.3 फ़ीसदी, उर्वरक सब्सिडी में 12.77 फ़ीसदी तथा ईंधन सब्सिडी में 8.33 फ़ीसदी की कमी की है। कुछ महीने के बाद ही लोकसभा के चुनाव होना हैं, ऐसे समय में अंतरिम बजट में आम मतदाताओं को राहत देने के स्थान पर, केंद्र सरकार द्वारा जो कटौती की गई है, उससे आम मतदाता आश्चर्य चकित है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बड़े–बड़े सपने दिखाए थे। भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया था। महिलाओं को नगद राशि ट्रांसफर करने की बात कही गई थी। रसोई गैस 450 रुपए में उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। किसानों की भी राशि को 6000 से बढ़ाकर 12000 रूपये प्रति वर्ष करने का भरोसा दिलाया गया था। अंतरिम बजट में वह सब गायब है। जिस तरीके से महंगाई बढ़ी है, उसके बाद यह माना जा रहा था कि मतदाताओं को टैक्स में छूट देने का काम सरकार करेगी। यह भरोसा भी आम मतदाताओं का टूट गया है। केंद्र सरकार दावा कर रही है, भारत की आर्थिक स्थिति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। हम जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। लेकिन अंतरिम बजट में जो प्रावधान सरकार ने किए हैं। वह सरकार की वास्तविक आर्थिक स्थिति को बता रहे हैं। सरकार कह कुछ रही है और वास्तविक स्थिति कुछ और है। अंतरिम बजट आने के बाद जिस तरह से अर्थशास्त्रियों द्वारा कहा जा रहा है, भारत सरकार के ऊपर लगभग 2 लाख करोड रुपए का कर्ज हो चुका है। सरकार की आमदनी का लगभग 40 फ़ीसदी राशि पुराने कर्ज और ब्याज को चुकाने में खर्च होगी। लोगों की बचत कम हो गई है। उस बचत की राशि से भी बजट के राजकोषीय घाटे की पूर्ति के लिए सरकार को राशि नहीं मिल पा रही है। जीएसटी तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के माध्यम से आम जनता पर सर्वाधिक टैक्स लगाया जा चुका है। सरकार की आय भी टैक्सों से बढ़ी है। सरकार के खर्च भी तेजी के साथ बढे हैं। आय ओर व्यव के बीच में सरकार संतुलन नहीं बना पा रही है। सरकार ने बड़ी–बड़ी परियोजनाएं संचालित कर रखी हैं। कैपिटल इन्वेस्टमेंट के रूप में जो राशि सरकार द्वारा खर्च की जा रही है। धन की कमी से परियोजनाएं समय पर पूर्ण नहीं हो पा रही हैं। घाटे वाली परियोजनाएं होने के कारण सरकार का वित्तीय समीकरण पूरी तरीके से गड़बड़ा गया है। सरकार के पास विदेशी कर्ज लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। ऐसी स्थिति में इंटरनेशनल मॉनिटरिंग फंड ने भारत सरकार के ऊपर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है, भारत सरकार ने जीडीपी की तुलना में यदि अपना खर्च नहीं घटाया, और राजस्व को नहीं बढ़ाया। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को विदेशी कर्ज मिलना भी मुश्किल होगा। कुछ महीने पश्चात लोकसभा का चुनाव होना है। सरकार मतदाताओं को राहत देना चाहती थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के दबाव में सरकार को राजकोषीय घाटा कम करने और कर्ज की राशि को घटाने का दबाव है। भारत सरकार की आर्थिक स्थिति का खाका अंतरिम बजट में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। भारत सरकार, वित्तीय संस्थाओं पर मनमाना नियंत्रण कर सकती है। सरकार के विभिन्न विभागों की रिपोर्ट अपने अनुसार बनवा सकती है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं भारत के आंकड़ों पर विश्वास न करके, स्वयं आंकड़े तैयार करती हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं किसी तरह के दबाव में नहीं आती हैं। अंतर्राष्ट्रीय निवेशक भी यदि भारत में निवेश करेंगे, तो वह आर्थिक रूप से पूरा अध्ययन करने के बाद ही निवेश करने के लिए तैयार होते हैं। आईएमएफ द्वारा भारत सरकार को पहले भी चेतावनी दी जा चुकी है। सरकार अपने कर्ज को कम करे, खर्चों को घटाए।

विटामिंस की खोज किसने की?

यह सभी जानते हैं कि विटामिन रासायनिक पदार्थ होते हैं जो हमारे शरीर के स्वस्थ रहने के लिए जरूरी हैं। विटामिन्स अलग-अलग तरह के भोजन में पाए जाते हैं। वैज्ञानिक विटामिन्स के 6 प्रकारों को 'ए', 'बी', 'सी', 'डी', 'ई' और 'के' कहते हैं। असल में विटामिन 'बी' में विटामिन्स का पूरा समूह होता है।

क्या आप जानते हैं कि विटामिंस की खोज किसने की? विटामिन की खोज एक डच जीवाणु विशेषज्ञ, क्रिश्चियान एइकमैन (1858-1930) द्वारा अचानक ही हो गई थी। उन्होंने सबसे पहले ध्यान दिया कि जो मुर्गियां चावल के दाने खाती थीं वे बीमार पड़ गईं। उन्होंने यह कारण खोज निकाला कि अनाज की ऊपरी सतह को यदि हटा दिया जाए तो उसमें मौजूद रसायन भी निकल जाते हैं जिसे हम विटामिन कहते हैं।

जब एइकमैन 1886 में इंडोनेशिया दौरे पर 'बेरी-बेरी' नामक महामारी की पड़ताल करने गए तो उनके दावों को और अधिक सच माना गया। बाद में वह यह साबित करने में सक्षम रहे कि 'बेरी-बेरी' का रोग डाइट की कमी से होता है। इससे विटामिन्स की खोज हुई और यह बात सामने आई कि विटामिन सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

एइकमैन, हालांकि पूरी तरह से विटामिन्स के बारे में नहीं समझ पाए। बाद में फैडरिक हॉपकिन जो ब्रिटिश वैज्ञानिक थे, ने इस सिद्धांत को समझा कि मानव शरीर को कुछ मात्रा में ऐसे रसायनों की आवश्यकता है जो उन्हें सेहतमंद रख सकें। उन्होंने यह कहा कि रिकेट्स या स्कर्वी जैसे रोगों से बचा जा सकता है यदि भोजन में या किसी दूसरी चीज में जरूरी रसायन यानी कि विटामिंस लिए जाएं। ऐसा बिल्कुल सही माना गया और विटामिंस के प्रकारों को नाम भी दिए गए।

वास्तव में विटामिंस के कई स्त्रोत तथा उपयोग हैं जैसे विटामिन 'ए', मक्खन, दूध, अंडे, हरी सब्जियों और मछली में पाया जाता है जो बीमारियों से लड़ने में सहायक होते हैं। विटामिन 'बी' भूख बढ़ाता है। यह तंत्रिकाओं तथा त्वचा में शक्ति बढ़ाता है। यह यीस्ट, मीट तथा अलग-अलग अनाजों में पाया जाता है। विटामिन 'सी' खून साफ करने में सहायक है तथा जुकाम से सुरक्षा प्रदान करता है। यह मुख्य तौर पर फल जैसे संतरे तथा नींबू आदि में पाया जाता है।

हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन 'डी' की आवश्यकता होती है जो कॉड मछली के तेल तथा अंडे की जर्दी आदि में पाया जाता है। विटामिन 'ई' मोटे अनाजों और अन्य प्रकार के भोजन में पाया जाता है। विटामिन 'के' खून के बहाव को रोकने और क्लॉट के लिए विशेष रूप से जरूरी है। अतः चोट लगने पर खून के रिसाव को रोकने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह बहुत सी चीजों में मौजूद होता है जैसे लिवर तथा हरी सब्जियों इत्यादि में।

ऊपर दिए गए तथ्यों से हमें पता चलता है कि विटामिंस

विटामिन	रोग
'ए'	रतौंधी
'बी'	बेरी-बेरी, तंत्रिका संबंधी समस्याएं
'सी'	स्कर्वी
'डी'	रिकेट्स
'ई'	खून की कमी
'के'	हैमरेज

हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी हैं। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए क्रिश्चियान एइकमैन और फैडरिक हॉपकिन को 1929 में नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था।

हंसो, हंसाओ, सेहत बनाओ

दोस्तों, तुम्हें कॉमेडी मूवीज देखना तो बहुत अच्छा लगता होगा। ऐसी मूवीज देखकर तुम खुद भी हंसते होगे और किस्से सुनाकर दोस्तों को भी हंसाते होगे। साथ में क्लास में भी मस्ती कर हंसी ठहाके लगाते होगे। हंसते-हंसाते रहो, पर जान लो हंसने के फायदों के बारे में...

वर्ल्ड हेल्थ डे

वर्ल्ड हेल्थ डे वर्ल्ड हेल्थ ऑरगनाइजेशन की तरफ से हर साल मनाया जाता है। इस साल वर्ल्ड हेल्थ डे ऐसे मच्छरों, जानवरों और कीड़े-मकोड़ों पर लोगों का ध्यान ले जा रहा है जो तरह-तरह की बीमारियां पैदा करते हैं। हंसने और खुश रहने से तुम्हारा मूड तो अच्छा रहता ही है साथ में तुम्हारी सेहत भी ठीक रहती है।

इम्यून सिस्टम ठीक रहेगा

हंसने मुस्कुराने से तुम्हारा इम्यून सिस्टम अच्छा होगा। इम्यून सिस्टम अच्छा होने से तुम कई तरह की बीमारियों से बच सकते हो। साथ में तुम्हें सर्दी-जुकाम भी जल्दी नहीं होगा।

टेशन फ्री होगे

दोस्तों के साथ हंसने और मस्ती करने से तुम्हें किसी तरह की चिंता नहीं होगी। साथ में तुम किसी भी मुश्किल काम को आसानी से कर लोगे। यही नहीं खुश रहने से शरीर में पैदा होने वाले ऐसे हार्मोन जो तनाव बढ़ाते हैं उनको भी कम करने में मदद करता है।

दोस्तों में लोकप्रिय होगे

तुम्हारे खुश रहने से तुम्हारे दोस्त बढ़ते जाएंगे। ज्यादा से ज्यादा लोग तुम्हारे दोस्त बनना चाहेगे। तुम्हारे पुराने दोस्तों से दोस्ती और पक्की हो जाएगी। तुम्हें सबके साथ मिल-जुल कर काम करने में मजा आएगा।

दिल की बीमारी से छुटकारा

आजकल अक्सर ही लोग इस बीमारी से परेशान रहते हैं। खुश रहने से इस तरह की बीमारियों से तो छुटकारा मिलेगा ही हार्ट अटैक की सम्भावना भी कम होती है।

दर्द कम होगा

खुश रहने और हंसने-मुस्कुराने से दर्द कम होता है। साथ ही तुम किसी भी तरह की बीमारी से आसानी से निपट लोगे।

आत्मविश्वास बढ़ता है

खुश रहने से आत्मविश्वास बढ़ता है। साथ में किसी भी काम को करने के लिए नए-नए आइडियाज भी तुम्हारे दिमाग में तेजी से आते रहेगे।

लम्बे समय तक जीओगे

जो लोग खुश रहते हैं वो लोग लम्बे समय तक जीते हैं। इसका मतलब है कि वो दुखी रहने वाले लोगों की तुलना में ज्यादा दिनों तक जीते हैं।

ब्लड प्रेशर कम रहता है

आजकल तुमने ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों के बारे में तो सुना ही होगा। खुश रहने से शरीर में ब्लड का फ्लो भी ठीक रहता है और ब्लड प्रेशर भी कम होता है।

मेमोरी बढ़ती है

खुश रहने से न केवल तुम्हारी मेमोरी बढ़ती है बल्कि तुम्हारे अंदर कुछ सीखने की क्षमता का भी तेजी से विकास होता है। तुम कुछ नया सीखने को उत्साहित रहते हो और इसीलिए तुम्हारी रचनात्मकता भी बढ़ती जाती है। यही नहीं हंसने-मुस्कुराने से तुम्हारी क्रिएटिविटी भी बढ़ती है।

अच्छी नींद आती है

खुश रहने से तुम्हें नींद भी अच्छी आती है। इसका मतलब है कि तुम्हारे घर में जो बुजुर्ग नींद नहीं आने की प्रॉब्लम से परेशान हैं उनकी समस्या खुश रहने से हल हो जाएगी। इसलिए तुम उनकी मदद करो।

डॉग्स के लिए बन रहा होटल चेल्सी

इंसानों के होटल तो सभी जगह बने होते हैं, लेकिन पेट्स के लिए होटल न के बराबर हैं। कई पेट्स मालिक अपने पेट्स को अपने जैसे होटल में स्टे कराना चाहते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते

हुए न्यूयॉर्क में एक ऐसा ही होटल बनाया जा रहा है, जिसमें एंट्री सिर्फ कुत्तों की होगी। यह होटल जल्द ही शुरू हो रहा है। इस होटल को सामान्य होटलों की कैटेगरी में रखा गया है, जिसमें नॉमर्ल, डीलक्स और सूट शामिल होंगे। इसका नाम होटल चेल्सी रखा गया है। इसमें डबल बेड के अलावा नर्म और स्पंज वाले पिलो होंगे। रूम में फ्लैट स्क्रीन टीवी रखा गया है। इस टीवी में जानवरों से संबंधित कार्यक्रम चलते रहेंगे, जैसे वाइल्ड लाइफ आदि। इसके अलावा रूम का डेकोरेशन कुत्तों को ख्याल में रखकर किया गया है। कुत्ते को फिट रखने के लिए फिटनेस सेंटर भी बनाया गया है। खाना बनाने के लिए शैफ भी रखे जाएंगे। यहां के सारे रूम सीसीटीवी से लैस होंगे, जिससे अगर कुत्तों को रूम में किसी तरह की परेशानी हो तो कंट्रोल रूम में देखकर उसका समाधान कर दिया जाएगा।

क्या जानवर रंग पहचानते हैं?

जानवरों की रंग पहचानने की क्षमता का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने काफी परीक्षण किया है, जिससे पता चलता है कि कुछ जीव रंगों की पहचान करने में सफल हो गये तो कुछ रंग नहीं देख सके।

मछलियां बहुत सुंदर और रंग-बिरंगी होती हैं, लेकिन ये एक-दूसरे की खूबसूरती को देख नहीं सकतीं, क्योंकि ये रंगांध होती हैं। यानी, रंगों को पहचान नहीं सकतीं। कुत्ते भी रंगों को नहीं पहचान पाते। वे किसी भी स्थान या वस्तु को उसके रंग से नहीं, गंध से पहचानते हैं।

एक परीक्षण में कुछ कुत्तों को पहले खास तरह की आवाजें सुनाई गईं। इन आवाजों के बाद ही उन्हें भोजन दिया जाता था। कुछ दिन के प्रशिक्षण के बाद देखा गया कि इन ध्वनियों को बजाते ही कुत्तों के मुंह लार से भर जाते थे। बाद में यही प्रयोग रंगों को लेकर किया गया। लेकिन कुत्ते, भोजन की लालसा के बावजूद एक रंग का दूसरे से विभेद करने में सफल नहीं हो पाये।

बिल्लियां भी रंगों को नहीं पहचानती हैं।

मुर्गियों के बारे में परीक्षण करने से पता चला है कि वे हरे, नीले, काले और बैंगनी रंग को नहीं पहचानतीं, जबकि सफेद रंग को पहचान लेती हैं।

बंदर रंगों के प्रति संवेदनशील होता है और वह अलग-अलग रंगों की पहचान कर सकता है। कुछ परीक्षणों ने इसकी पुष्टि भी की है। बंदरों को भोजन के लिए एक ऐसी अलमारी के पास जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिसका दरवाजा एक खास रंग से रंगा गया था। बाद में उसने दूसरे रंग से रंगे दरवाजे वाली अलमारी के पास जाने में दिलचस्पी लेना ही बंद कर दिया।

गाय, बैल, गधे जैसे पशु प्रायः सभी वस्तुओं को खाकी रंग में रंगा पाते हैं। एक सीमा तक सफेद रंग को भी पहचान लेते हैं, लेकिन गहरा हरा, लाल, नीला या काला रंग नहीं पहचान सकते।

अनेक परीक्षणों से यह सिद्ध हो चुका है कि सांड रंग के प्रति अंधा होता है, अर्थात् वह रंग भेद नहीं कर सकता। जब वह रंग पहचान ही नहीं सकता, तो फिर लाल रंग से भड़क उठने की बात महज एक गलत धारणा है। सांड को भड़काने के लिए कपड़े का हिलाना ही काफी है, चाहे वह लाल, पीला, नीला सफेद या किसी भी रंग का हो।

घोड़े हरे व पीले रंग को पहचान लेते हैं तथा दोनों में भी परस्पर भेद कर लेते हैं, पर लाल व नीले रंग को पहचानने में वे अच्छे नहीं जान पड़ते हैं।

अमेजन के पांच करोड़ शेयर बेचेंगे जेफ बेजोस

नई दिल्ली । अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के 50 मिलियन (5 करोड़) शेयरों को बेचने पर विचार कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 171.8 डॉलर प्रति शेयर की मौजूदा कीमत पर अमेजन के इन शेयरों की कुल वैल्यू 8.6 अरब डॉलर है। कंपनी की एक नई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार शेयरों की यह बिक्री योजना पिछले साल 8 नवंबर को शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया 31 जनवरी, 2025 तक पूरी हो जाएगी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक बिक्री दर्ज करने के बाद अमेजन के शेयर शुक्रवार को लगभग 8 फीसदी चढ़ गए। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद बीती तिमाही में अमेजन की ऑनलाइन बिक्री में सबसे बड़ा इजाफा हुआ है। बीते साल अमेजन के शेयरों में 80 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दिखी थी और इसने बेंचमार्क इंडेक्स एसएंडपी 500 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया था। बेजोस ने 1994 में अमेजन की स्थापना की थी। रिपोर्ट के अनुसार बेजोस वर्तमान में 185 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। दूसरी ओर जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने भी पिछले साल अमेजन में अपने 25 फीसदी शेयर (6.53 करोड़ शेयर) बेचे थे। अब उनकी अमेजन में हिस्सेदारी घटकर 1.9 प्रतिशत रह गई है। शादी के 25 साल बाद 2019 में जेफ बेजोस और मैकेंजी ने तलाक का एलान किया था। जिसके बाद मैकेंजी स्कॉट को अमेजन में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी, कीमत उस दौरान 36 अरब डॉलर थी।

सरकार को सात कोयला खदानों के लिए 10 बोलियां मिलीं

नई दिल्ली । कोयला मंत्रालय को सात कोयला खदानों के लिए 10 बोलियां हासिल हुई हैं। कोयला मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने नवंबर में खदान नीलामी के आठवें चरण की शुरुआत करते हुए 39 ब्लॉक को रखा था। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि सात कोयला खदानों के लिए कुल 10 बोलियां प्राप्त हुई हैं। इनमें दो कोयला खदानों के लिए दो या अधिक बोलियां प्राप्त हुई हैं। नीलामी प्रक्रिया के तहत प्राप्त ऑनलाइन बोलियां सोमवार को खोली जाएंगी। मंत्रालय ने कहा था कि वाणिज्यिक कोयला खनन नीलामी के आठवें दौर की शुरुआत कोयला खनन उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बीओआई का दिसंबर तिमाही का मुनाफा 62 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुनाफा 62 प्रतिशत बढ़कर 1,870 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,151 करोड़ रुपये रहा था। बीओआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 16,411 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 14,160 करोड़ थी। बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 15,218 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 12,728 करोड़ रुपये थी। दिसंबर, 2023 के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) घटकर सकल ऋण का 5.35 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 7.66 प्रतिशत थी। इसी तरह तीसरी तिमाही के अंत में शुद्ध एनपीए 1.61 प्रतिशत से घटकर 1.41 प्रतिशत पर आ गया।

बैठे बिठाए मार्क जुकरबर्ग को हर महीने होगी 458 करोड़ की कमाई

मेटा के एक फैसले ने किया कमाल, शेयर होल्डर्स को लाभांश देने का लिया निर्णय

नई दिल्ली ।

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को हर महीने बैठे बिठाए 458 करोड़ रुपये की कमाई होगी। यह चमत्कार मेटा के एक फैसले से होने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने अपने शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड देने की घोषणा की है। इससे कंपनी की ओर से पहली बार निवेशकों को लाभांश मिल रहा है। मेटा के इस फैसले से कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की मौज हो गई है। उनको भी करीब 5800 करोड़ रुपये डिविडेंड के रूप में मिलेंगे वे योंकि उनके पास भी मेटा के करीब 35 करोड़ शेयर हैं। इस तरह उनकी महीने की आय में अब 458 करोड़ रुपये की वृद्धि हो जाएगी। बताया जा रहा है कि डिविडेंट का पैसा हर तिमाही पर मिलेगा। आम तौर पर टेक कंपनियां अपने शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड का भुगतान नहीं करती हैं। वे कमाई के पैसों को डिविडेंड पर खर्च करने के बजाय नए प्रोडक्ट या नए एक्विजिशन में लगाना ज्यादा पसंद करती हैं। परंतु मेटा के लिए पिछला साल काफी अच्छा साबित हुआ था। साल 2022 के दौरान शेयरों में बड़ी गिरावट के बाद साल 2023 उसके लिए रिकवरी वाला साबित हुआ था।

वहीं साल 2023 में मेटा के शेयरों के भाव में करीब 3 गुने की तेजी आई थी। कंपनी ने लागत कम करने के लिए पिछले साल 21 हजार कर्मचारियों की छंटनी की थी। मेटा के इस ऐलान से जुकरबर्ग को हर साल लगभग 700 मिलियन डॉलर यानी करीब 58 सौ करोड़ रुपये की कमाई होने वाली है। मेटा ने क्लास ए और क्लास बी के कॉमन स्टॉक पर हर तिमाही में 50 पेंस प्रति शेयर की दर से कैश डिविडेंड देने का ऐलान भी किया है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस पर आरबीआई ने ठोंका जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ नियामक प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने पर बजाज हाउसिंग फाइनेंस पर पांच लाख रुपए का जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने कहा कि यह जुर्माना गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (रिजर्व बैंक) दिशानिर्देश, 2021 के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए लगाया गया है। आरबीआई बयान के अनुसार, 31 मार्च, 2022 को कंपनी की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा इसका वैधानिक निरीक्षण किया गया था। आरबीआई ने कहा कि पुणे की कंपनी ने प्रबंधन में बदलाव के लिए आरबीआई से पूर्व लिखित अनुमति नहीं ली। इस बदलाव के तहत स्वतंत्र निदेशकों को छोड़कर 30 प्रतिशत से अधिक निदेशक बदल गए। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने कहा कि जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

जापान के निवेशक भारत पर कर रहे भरोसा, धड़ाधड़ खरीद रहे शेयर

मुंबई । जापानी निवेशक जापान को छोड़कर भारत पर भरोसा कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारत अगला चाइना है, जिसका तेजी से विकास हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय स्टॉक से जुड़ी जापानी निवेशक ट्रस्ट की कुल संपत्ति में 11 प्रतिशत का उछाल आया, जिसके बाद उनकी संपत्ति 13.41 हजार करोड़ रुपए हो गई। पिछले महीने भारतीय शेयर से जुड़े फंड्स में निवेश में जापानी निवेशकों को लगभग 14 हजार करोड़ येन (7920.04 करोड़ रुपए) का रिटर्न मिला। वहीं जापानी स्टॉक्स से जुड़े फंड में न के बराबर इनफ्लो दर्ज हुआ। इसलिए जापानी निवेशक भारतीय शेयर बाजार का रुख कर रहे हैं। भारत के किसी खास स्टॉक के लिए नहीं बल्कि भारतीय निवेशक पूरे भारत को लेकर खासा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अन्य उभरते देशों में वे भारत को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। इस साल से शुरू हुए टैक्स फ्री इन्वेस्टमेंट अकाउंट भी इसके पीछे की वजह है। जापान के यूबीएस सुमी ट्रस्ट वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी के सीईओ का मानना है कि भारत की आर्थिक ग्रोथ को देखते हुए जापानी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार में आकर्षण बढ़ा है। जापानी निवेश किसी ख़ास कंपनी के शेयर में पैसा नहीं लगाना चाहते, बल्कि उनकी दिलचस्पी पूरे भारत के लिए दिखाई दे रही है। दुनिया के उभरते देशों में जहां निवेश के मामले में भारत पर जापानी खुदरा निवेशकों का भरोसा बढ़ते जा रहा है। वहीं चाइना के स्टॉक मार्केट में निवेश गिरते जा रहा है। पिछले महीने रुपए के हिसाब से भले ही भारत का निफ्टी 50 इंडेक्स लगभग फ्लैट रहा हो लेकिन जापानी मुद्रा येन की गिरावट के कारण यह 4.2 प्रतिशत ऊपर गया।

बीते सप्ताह शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव भरा रहा सत्र

मुंबई ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में पूरे सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया और अंते रिम बजट के दूसरे दिन शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मजबूत खरीदारी दिखी और इससे बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत हुए। शुरुआत में सेंसेक्स 565.32 अंकों की बढ़त के साथ 71,251.03 पर खुला और 1,240.90 अंकों की बढ़त के साथ 71,941.57 अंकों पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 182.21 अंक मजबूत होकर 21,534.80 पर खुला और 385.00 अंकों की बढ़त के साथ 21,737.60 के स्तर पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में सूचकांकों ने मंगलवार के कारोबारी सत्र की शुरुआत वैश्विक बाजारों में अच्छे संकेतों की वजह से मामूली बढ़त के साथ की। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 59 अंक बढ़कर 72,000 पर खुला और 802 अंक की गिरावट के साथ 71,140 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 21,800 के स्तर के करीब चला गया और 215 अंक फिसलकर 21,522 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को कमजोर शुरुआत हुई। मिलेजुले वै श्विक संकेतों के बाद बाजार लाल निशान पर खुला। सेंसेक्स करीब 200 अंक नीचे 70,900 पर खुला और 612.21 अंकों की बढ़त के साथ 71,752.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंक टूटकर 21,450 पर खुला और 203.61 अंकों की बढ़त के साथ 21,725.70 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 219.05 अंकों की बढ़त के साथ 71,960.01 पर खुला और 106.81 अंक गिरकर 71,645.30 पर बंद हुआ। निफ्टी 58.46 अंक मजबूत होकर 21,784.15 के स्तर पर कारोबार करता दिखा और 28.25 अंक की गिरावट के साथ 21,697.45 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 710.62 अंक उछलकर 72,351.99 पर खुला और 156.35 अंकों की मजबूती के साथ 21,853.80 पर बंद हुआ।

निफ्टी 429.35 अंक उछलकर अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 22,126.80 पर खुला और 156.35 अंकों की मजबूती के साथ 21,853.80 पर बंद हुआ।

कीमतों पर लगाम लगाने अब सस्ता चावल बेचेगी सरकार

नई दिल्ली ।

चावल की महंगाई से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। इसलिए केंद्र सरकार अब सस्ता चावल बेचने पर विचार कर रही है। यह चावल आटा और चना दाल की तर्ज पर भारत चावल नाम से बेचा जाएगा। सरकार ने चावल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए चावल कारोबारियों को हर शुक्रवार को इसके स्टॉक का खुलासा करने को कहा है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि विभिन्न किस्मों के चावल के निर्यात पर प्रतिबंध के बावजूद पिछले एक साल में चावल की खुदरा और थोक कीमतों में लगभग 15 फीसदी इजाफा हुआ है। ऐसे में चावल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने दो सहकारी समितियों नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नैफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) के माध्यम से खुदरा बाजार में सब्सिडी वाले भारत चावल को 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचने का फैसला किया है। नैफेड और एनसीसीएफ के साथ ही यह रियायती दर वाला यह चावल केन्द्रीय भंडार के खुदरा केंद्रों के साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफार्म भी मिलेगा। खाद्य सचिव चोपड़ा ने कहा कि भारत चावल अगले सप्ताह से 5 किलो और 10 किलो के पैक में बाजार में उपलब्ध होगा। पहले चरण में सरकार ने खुदरा बाजार में बिक्री के लिए 5 लाख टन चावल आवंटित किया है। सरकार पहले से ही भारत आटा 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम और भारत दाल (चना) 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेच रही है। चावल निर्यात पर रोक हटाने की बाजार में चल रही अफवाहों को दूर करते हुए चोपड़ा ने कहा कि सरकार की चावल निर्यात पर प्रतिबंध जल्द हटाने की कोई योजना नहीं है। कीमतें गिरने तक प्रतिबंध जारी रहेगा।

स्पाइसजेट सात शहरों से हज उड़ानें संचालित करेगी

नई दिल्ली ।

संकट का सामना कर रही एयरलाइन स्पाइसजेट ने कहा कि उसने श्रीनगर, गया और गुवाहाटी सहित सात शहरों से हज उड़ानें संचालित करने का अधिकार सुरक्षित कर लिया है। नए सिरे से खुद को खड़ा करने की कोशिशों में जुटी स्पाइसजेट ने एक विज्ञप्ति में कहा कि हज उड़ानों का परिचालन उसके लिए आय सृजन का अहम स्रोत रहा है। विज्ञप्ति के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में स्पाइसजेट ने पांच भारतीय शहरों से उड़ानें संचालित करके हज परिचालन से 337 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इस साल एयरलाइन को अपने हज परिचालन से और भी अधिक राजस्व मिलने की उम्मीद है। यह विमानन कंपनी सात शहरों श्रीनगर, गया, गुवाहाटी, भोपाल, इंदौर, औरंगाबाद और विजयवाड़ा से हज के लिए उड़ानें संचालित करेगी। हज उड़ानों का पहला चरण नौ मई को मदीना के लिए उड़ानों के साथ शुरू होने वाला है। एयरलाइन हज परिचालन के लिए चौड़े आकार वाले तीन विमानों को पट्टे पर लेने की योजना बना रही है। पिछले साल भी इसने हज उड़ानों के लिए ऐसे तीन विमान शामिल किए थे।

जिस बैंक खाते का नहीं कर रहे उपयोग, उसे कराएं बंद

नई दिल्ली ।

आजकल बहुत से लोगों के एक से अधिक बैंक अकाउंट है। इनमें से कुछ खातों का समय के साथ उपयोग न के बराबर हो जाता है, उन खातों को बंद कराने में ही समझदारी है। ऐसा न कराने पर न केवल आपको वित्तीय नुकसान होगा, बल्कि आप किसी बड़ी मुसीबत में भी पड़ सकते हैं। अधिकतर बैंक खातों में एक मंथली एवरेज बैलेंस रखना होता है। यह 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपये तक हो सकता है। यह राशि न रखने पर बैंक शुल्क वसूल करते हैं। जीरो बैलेंस वाला आपका सैलरी अकाउंट भी लगातार 3 महीनों तक सैलरी ना आने पर सेविंग अकाउंट में तब्दील हो जाता है। बैंक डेबिट कार्ड और एसएमएस चार्जेज वसूलते हैं। डेबिट कार्ड फीस सालाना 100 रुपये से 1000 रुपये तक हो सकती है। एसएमएस चार्जेज भी काफी होते हैं। अगर आप अपने अकाउंट का उपयोग नहीं कर रहे हैं तो भी आपको ये फीस चुकानी ही होगी। आईटीआर भरते वक्त आपको अपने सभी बैंक खातों की जानकारी देनी होती है। ऐसे अकाउंट जिनका इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, उससे बड़ी धोखाधड़ी कोई और व्यक्ति कर सकता है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं

जिनमें ऐसे बैंक अकाउंट का उपयोग कर पैसों का लेनदेन किया, जिनका प्रयोग लंबे समय से नहीं किया जा रहा था। खास बात यह थी कि जिसके नाम यह खाता उसे इस धोखाधड़ी की भनक बहुत बात में लगी। इसलिए इस तरह की परेशानी से बचने के लिए आपको अपने ऐसे अकाउंट को बंद ही करा देना चाहिए।

सरकार ने बढ़ाया कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स

- पेट्रोल, डीजल और एटीएफ में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शनिवार को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया। अब कच्चे तेल पर 3,200 रुपए प्रति टन की दर से विंडफॉल टैक्स लगेगा। नई दरें आज 3 फरवरी से प्रभावी हो गई हैं। इससे पहले कच्चे तेल पर 1,700 रुपए टन के हिसाब से विंडफॉल टैक्स लग रहा था। वहीं डीजल, पेट्रोल और विमानन ईंधन के मामले में सरकार ने विंडफॉल टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया है। पेट्रोल-डीजल और एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स की दरें शून्य थीं। विंडफॉल टैक्स एक तरह की एडिशनल कस्टम ड्यूटी है। कच्चे तेल व अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार से बंपर मुनाफा कमा रही कंपनियों से इसके जरिए सरकार कुछ हिस्सा खजाने में जमा करती है। पिछले एक-डेढ़ साल के दौरान वैश्विक ऊर्जा व्यापार में आए उतार-चढ़ाव के मद्देनजर कई देश कच्चे तेल व पेट्रोलियम उत्पादों पर विंडफॉल टैक्स लगा रहे हैं। भारत में सरकार ने जुलाई 2022 में कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। कच्चे तेल के प्रोड्यूसर्स के अलावा सरकार ने पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर भी विंडफॉल टैक्स लगाया था। सरकार हर दो सप्ताह में विंडफॉल टैक्स की समीक्षा करती है। इससे पहले 16 जनवरी को किए गए बदलाव में कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स की दरें घटा दी गई थीं।

तब सरकार ने इसे घटाकर 1,700 रुपए प्रति टन कर दिया था। वहीं डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर जीरो विंडफॉल टैक्स रखा गया था।

एप्पल का रेवेन्यू अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में बढ़कर 119.6 अरब डॉलर रहा

वाशिंगटन ।

आईफोन की मजबूत बिक्री से टेक दिग्गज एप्पल का रेवेन्यू अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में डबल डिजिट में बढ़ा। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कहा कि राजस्व के मामले में भारत में ग्रोथ हुई। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में मजबूत डबल डिजिट ग्रोथ दर्ज की और रिकॉर्ड रेवेन्यू दर्ज किया। एप्पल का तिमाही राजस्व सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि के साथ 119.6 अरब डॉलर रहा। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में आईफोन से कंपनी का राजस्व करीब छह प्रतिशत बढ़कर 69.7 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 65.77 अरब डॉलर था। सीईओ कुक ने कहा कि कंपनी ने मलेशिया, मैक्सिको, फिलीपीन, पोलैंड और तुर्किये, इंडोनेशिया, सऊदी अरब आदि सहित अन्य उभरते बाजारों में ऑलटाइम हाई रेवेन्यू दर्ज किया। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरप्वाइंट रिसर्च के मुताबिक एप्पल ने पहली बार 2023 में सबसे ज्यादा राजस्व के साथ भारतीय बाजार में टॉप पर रहा, जबकि सैमसंग वॉल्यूम बिक्री के मामले में इस चार्ट में टॉप पर रहा। फर्म ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा कि एप्पल ने शिपमेंट के मामले में 1 करोड़ यूनिट का आंकड़ा पार कर लिया और पहली बार एक कैलेंडर ईयर में रेवेन्यू में टॉप पोजीशन हासिल किया। दिसंबर 2023 तिमाही में आईपेड की बिक्री करीब 25 प्रतिशत घटकर 7 अरब डॉलर हो गई। तिमाही में एप्पल के वेयरएबल, होम एंड एसेसरीज सेगमेंट की बिक्री भी सालाना आधार पर करीब 11 प्रतिशत घटकर 11.95 अरब डॉलर रह गई। मैक पीसी की बिक्री 7.7 अरब डॉलर पर लगभग स्थिर रही।

दिसंबर 2023 तिमाही में एप्पल का सर्विस रेवेन्यू 11.3 प्रतिशत बढ़कर 23.11 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 20.76 अरब डॉलर था।

टेस्ला ने अमेरिका में 2.2 मिलियन इलेक्ट्रिक वाहन वापस बुलाये

- पिछले साल दिसंबर में 20 लाख इलेक्ट्रिक वाहन रिकॉल किए गए थे

नई दिल्ली ।

टेस्ला ने संयुक्त राज्य अमेरिका में 2.2 मिलियन इलेक्ट्रिक वाहनों को वॉर्निंग लाइट के गलत फॉन्ट साइज के कारण वापिस बुलाया है। राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन का कहना है कि इन इलेक्ट्रिक वाहनों को वॉर्निंग लाइट के गलत फॉन्ट साइज से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। यह दो महीने पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में टेस्ला द्वारा वापस बुलाए गए 2.03 मिलियन वाहनों से अधिक है। अपने ऑटोपायलट उन्नत ड्राइवर-सहायता प्रणाली में नए सुरक्षा उपाय स्थापित करने के लिए यह उस समय का सबसे बड़ा कदम है। टेस्ला अपनी स्वायत्त ड्राइविंग सहायता के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन की जांच के दायरे में है, जिसका उद्देश्य कारों को अपनी लेन के भीतर स्वचालित रूप से चलाने, तेज करने और ब्रेक लगाने में सक्षम बनाना है। राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन ने कहा कि नवीनतम रिकॉल में टेस्ला के विभिन्न मॉडलों के वाहन शामिल हैं, जिनमें मॉडल एस, मॉडल एक्स, 2017-2023 मॉडल 3, मॉडल वाई और 2024 साइबरट्रक वाहन शामिल हैं। छोटे

फ़ॉन्ट आकार वाली चेतावनी लाइटें उपकरण पैनल पर महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी को पढ़ना मुश्किल बना सकती हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। टेस्ला ने समस्या को ठीक करने के लिए एक ओवर-द-एयर सॉफ्टवेयर अपडेट निःशुल्क जारी करना शुरू कर दिया है। रिकॉल रिपोर्ट के अनुसार यह उपाय ब्रेक, पार्क और एंटीलॉक ब्रेक सिस्टम (एबीएस) दृश्य चेतावनी संकेतकों के अक्षर फॉन्ट आकार को बढ़ाता है। टेस्ला के नए इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक, साइबरट्रक को उत्पादन इकाइयों के लिए समस्या को ठीक करने के लिए एक सॉफ्टवेयर अपडेट मिलना शुरू हो गया है। बता दें इससे पहले टेस्ला ने पिछले साल दिसंबर में 20 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए रिकॉल किया था। इस रिकॉल के पीछे का कारण ऑटोपायलट सिस्टम में आई खराबी को ठीक करना है। ऑटोपायलट एक ऐसा सिस्टम है, जो ड्राइवर को सड़क और ट्रैफिक की स्थिति को लेकर सचेत करता है।

जायसवाल के शतक पर स चिन ने दिया आशीर्वाद, यशस्वी भवः

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने शतक लागाया। तब उन्हें से चिन तेंदुलकर ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि यशस्वी भवः। बता दें कि इस बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने बड़ा शतक लगाकर टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जायसवाल ने 17 चौके और 5 छक्कों की मदद से 177 रन बनाए। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक था। अपने शतक के लिए तारीफें बटोर रहे जायसवाल के लिए अब सचिन तेंदुलकर भी बोल उठे हैं। उन्होंने जायसवाल की तारीफ के लिए सोशल मीडिया फोटो शेयर कर लिखा है- यशस्वी भवः बता दें कि यशस्वी ने हैदराबाद में शुरुआती टेस्ट के दौरान भी पहली पारी में 80 रन बनाए थे। वह वहां आसानी से शतक बना सकते थे लेकिन उन्होंने विकेट फेंक दिया। हालांकि इससे सचिन कुछ निराश भी दिखे थे। लेकिन जायसवाल ने दूसरे टेस्ट में अपनी गलतियों से सीखा और आगे बढ़ गए। जायसवाल का पहला टेस्ट शतक 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आया था। जब उन्होंने 16 चौकों और 1 छक्के की मदद से 171 रन बनाए थे। यहां गौरतलब है कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 28 रन की हार के बाद भारत टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे है। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में विराट कोहली, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के बिना उतरी है लेकिन जायसवाल ने अपने दम पर टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है।

बुमराह ने 6 विकेट लेकर बिगाड़ दिया इंग्लिश टीम का समीकरण, मेहमानों को 253 रन पर रोका

भारत की लीड 171 हुई, रोहित और जायसवाल क्रीज पर

विशाखापत्तनम ।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने विशाखापत्तनम के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन छह विकेट लेकर मेहमानों को मात्र 253 रन पर ही रोक दिया। इसके बाद टीम के पास अब 143 रन की लीड है। इसके पहले भारतीय टीम यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की बदौलत 396 रन बनाए थे। जवाब में भले ही अंग्रेजों ने तेजतर्रार शुरूआत की लेकिन जसप्रीत बुमराह ने 6 विकेट लेकर सारा समीकरण बिगाड़ दिया। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने दूसरी पारी में पांच ओवर खेलकर 28 रन बना लिए हैं। रोहित 13, जायसवाल 15 रन बनाकर नाबाद खड़े हैं। भारत की लीड अब 171 हो गई है।

इसके पहले जैक क्राउली की मौजूदगी के दौरान इंग्लैंड की टीम तेजी से रन बना रही थी, लेकिन तेज गेंदबाज बुमराह ने तभी 2 विकेट लेकर मैच में भारत की वापसी करा दी। लंच के तुरंत बाद कुलदीप यादव ने बेन डकेट (17 गेंद में 21 रन) को सिली पॉइंट पर कैच कराया। लेकिन क्राउली ने दूसरे छोर से आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 11 चौके और 2 छक्के जड़े। इंग्लैंड की टीम 5 रन प्रतिओवर की अधिक गति से रन बना रही थी, लेकिन बुमराह ने जो रूट (10 गेंद में 5 रन) और शानदार फार्म में दिख रहे ओली पोप (55 गेंद में 23 रन) को पवेलियन की राह दिखाकर इस पर अंकुश लगाया। इसके बाद उनके शानदार यॉर्कर का पोप के पास कोई जवाब नहीं था। दूसरे सत्र के शुरुआती भाग में क्राउली ने आक्रामक पारी से भारत पर दबाव बनाया। उन्होंने बिना किसी लापरवाही के कुलदीप पर छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर रविचंद्रन अश्विन की गेंद को भी दर्शकदीर्घा में भेजा। अपना 26वां जन्मदिन मना रहे क्राउली ने अक्षर पटेल का स्वागत चौके से किया लेकिन एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में श्रेयस अय्यर द्वारा लपके गए। इसके पहले दिन की शुरुआती सत्र में जायसवाल ने शानदार दोहरे शतक के साथ भारतीय बल्लेबाजी का भार अपने युवा कंधों पर उठाया जिससे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन

टीम की पहली पारी में 396 रन पर समाप्त हुई। क्राउली और डकेट की सलामी जोड़ी ने लंच के समय इंग्लैंड को 6 ओवर में बिना किसी नुकसान के 32 रन पर पहुंचा दिया था। डकेट ने तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को निशाना बनाया, जिन्होंने अपने शुरुआती दो ओवरों में 22 रन लुटाए।

दोहरा शतक लगाकर यशस्वी जायसवाल ने पलटा 31 साल का इतिहास

नई दिल्ली ।

देश के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दोहरा शतक लगाकर 31 साल का इतिहास पलट दिया है। इतना ही नहीं टीम इंडिया के इस युवा बल्लेबाज ने महज 22 साल में ही विरोधी टीमों में खौफ पैदा कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में अर्धशतक ठोकने वाले यशस्वी दूसरे टेस्ट में मेहमानों के लिए काल साबित हुए। जब रोहित से लेकर शुभमन गिल तक कोई भी बल्लेबाज 35 के आंकड़े तक नहीं पहुंचे, तब इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड को अपने विकेट के लिए तरसा दिया। हमें विराट, रोहित जैसे दिग्गज देखने को मिले, लेकिन जो कारनामा यशस्वी जायसवाल ने किया वह 31 साल के इतिहास में कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका है। पानी पुरी खिलाने से लेकर टीम इंडिया में डेब्यू तक के संघर्ष की कहानी जगजाहिर है। लेकिन वही संघर्ष यशस्वी जायसवाल के लिए अब ताकत बन चुका है। 64 नंबर की टीम इंडिया की जर्सी पहनते ही यशस्वी ने पहले मैच से ही जलवा दिखाना शुरू कर दिया।

अब यशस्वी भारत के ऐसे तीसरे बल्लेबाज बन गए

हैं जिन्होंने 23 साल से पहले ही टेस्ट में डबल सेंचुरी ठोक एक रिकॉर्डतोड़ पारी को अंजाम दिया है। सबसे पहले साल 1971 में सुनील गावस्कर ने 21 साल 283 दिन में यह कारनामा किया था। उसके बाद विनोद कांबली ने एक बार नहीं बल्कि 21 साल की उम्र में 20 दिन के अंदर 2 बार डबल सेंचुरी ठोकी थी। उन्होंने पहली सेंचुरी 1993 में 21 साल 35 दिन में 224 रन ठोके थे। वहीं, 20 दिन बाद ही कांबली ने एक बार फिर 227 रन ठोक डाले। अब जायसवाल 31 साल के इतिहास में पहले बल्लेबाज हैं जिन्होंने 23 साल से पहले टेस्ट में दोहरा शतक लगाया है।

आरती पाटिल ने पैरा-बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2024 के लिए क्वालीफाई किया

पुणे,

भारतीय पैरा शटलर आरती पाटिल ने 20 से 25 फरवरी तक थाईलैंड के पटाया में होने वाली आगामी बीडब्ल्यूएफ पैरा-बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2024 में अपनी जगह पक्की कर ली है। 23 वर्षीय कोल्हापुर निवासी वर्तमान में महिला एकल (खड़ी/ऊपरी अंग हानि) एसयू5 विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर है। खेलो इंडिया की स्वर्ण पदक विजेता आरती ने 2017 एशियाई युवा पैरा खेलों में मिश्रित युगल में रजत पदक जीता और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पैरा-बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में महिला एकल और युगल स्पर्धाओं में सात कांस्य पदक अर्जित किए हैं। आरती ने इससे पहले 2019 में बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया था। आरती ने कहा,मैं बीडब्ल्यूएफ पैरा-बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2024 के लिए क्वालीफाई होने से रोमांचित हूं। मेरे दिमाग से वित्तीय बोझ हटने के साथ, यह मुझे अपने खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। मैं पुनित सर और पुनित बालन समूह के उल्लेखनीय समर्थन के लिए वास्तव में आभारी हूं। समर्थन ने शीर्ष स्तरीय कोचिंग और उन्नत प्रशिक्षण सुविधाओं के दरवाजे खोल दिए हैं, जिससे मुझे अपने लिए निर्धारित सभी लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

निखत और लवलीना 75वें स्ट्रैंड्ज़ा मेमोरियल टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगी

नई दिल्ली,

मौजूदा विश्व चैंपियन निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन भारतीय चुनौती का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 3-11 फरवरी तक बुल्गारिया के सोफिया में होने वाले 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट के लिए 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की है।

स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट यूरोप की सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में से एक है। 30 देशों के लगभग 300 मुक्केबाजों की मौजूदगी में कड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ यह टूर्नामेंट पेरिस ओलंपिक के लिए एक बेहतरीन तैयारी होगी। निकहत (50 किग्रा) और लवलीना (75 किग्रा) के अलावा, एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किग्रा), विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा (60 किग्रा), एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता साक्षी (57 किग्रा) और राष्ट्रीय चैंपियन अरुंधति चौधरी (66 किग्रा) भी प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीम में शामिल हैं। । दूसरी ओर, पुरुष टीम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) के साथ-साथ बरुण सिंह शगोलशेम (48 किग्रा), ललित (54 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), आकाश गोरखा (60

किग्रा), रजत (67 किग्रा), आकाश (71 किग्रा), दीपक (75 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) सहित अन्य राष्ट्रीय चैंपियन शामिल हैं। वंशज (63.5 किग्रा), अभिमन्यु लौरा (80 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और सागर (92+ किग्रा) अन्य चार भारतीय पुरुष मुक्केबाज हैं जो टीम का हिस्सा हैं। 2023 में आयोजित टूर्नामेंट के आखिरी संस्करण में भारतीय मुक्केबाजों ने तीन रजत और पांच कांस्य सहित आठ पदक जीते।

संक्षिप्त समाचार

अनिश्चितता व अदूरदर्शिता के कारण कोच भी नहीं करना चाहते काम :मिस्बाह

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। उनके इस बयान से हलचल मच गई है। बोर्ड को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में अनिश्चितता और उसकी अदूरदर्शिता के कारण कोई भी काम नहीं करना चाहता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण विदेशी और यहां तक कि स्थानीय कोच भी देश के क्रिकेट बोर्ड के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। मिस्बाह ने 2019 और 2021 के बीच पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी काम किया है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पाकिस्तान क्रिकेट में खिलाड़ियों और कोचों को एक या दो श्रृंखलाओं के आधार पर या बोर्ड के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। सिंध प्रांत में एक स्थानीय टूर्नामेंट में हैदराबाद फ्रेंचाइजी को कोचिंग दे रहे मिस्बाह ने कहा कि अगर आप बोर्ड की नीतियों को देखें तो विदेशी कोच ही नहीं बल्कि हमारे स्थानीय कोच भी पीसीबी के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। मिस्बाह ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को इतने अव्यवस्थित तरीके से नहीं चलाया जाना चाहिए। हमें टीम प्रबंधन, चयनकर्ताओं और खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनाने की जरूरत है। दुर्भाग्य से पाकिस्तान में बोर्ड नेतृत्व में बदलाव से सब कुछ बदल जाता है। मिस्बाह ने कहा कि अगर खिलाड़ी इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि बोर्ड में क्या हो रहा है तो वे कैसे सुरक्षित महसूस कर राष्ट्रीय टीम में खुद को स्थापित कर सकते हैं। मेरा मानना है कि अगर इस प्रक्रिया के लिए उचित समय नहीं दिया गया तो आप एक अच्छी टीम नहीं बना सकते। इसके लिए हमें कुछ अन्य देशों की प्रणालियों को भी देखने की जरूरत है।

दूसरे टेस्ट में अंपायर से उलझे आर अश्विन, वीडियो हुआ वायरल

विशाखापत्तनम। क्रिकेट के मैदान पर विवादों में रहने वाले भारतीय स्पिनर आर अश्विन विशाखापत्तनम टेस्ट मैच के पहले दिन अंपायर से ही उलझ गए। उन्होंने दिन का खेल खत्म होने के वक्त तीखी बहस की और एक बार फिर से चर्चा में आ गए।` जिसका वी डियो सोशल मी डिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें` कि मैदान पर विरोधी खिलाड़ियों के साथ उलझने के लिए कई बार चर्चा में आने वाले अश्विन इस बार अंपायर से ही बहस करते पाए गए। भारत के अनुभवी खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल के समापन पर मैदान अंपायर मराइस इरास्मस के साथ बहस करते हुए देखा गया। उनकी बहस का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मजबूत स्थिति में नजर आई। टॉस जीतकर भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी चुनी लेकिन टीम के एक बैटर को छोड़ बाकी सभी नाकाम हो गए। यशस्वी जायसवाल ने अकेले इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना किया और टीम को बैकफुट पर रखा। मैच के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसने माहौल गरम कर दिया।

बाहरी दबावों के बावजूद एमएस धोनी और पंत की दोस्ती बनी रही

नई दिल्ली ।

स्टार प्लेयर ऋषभ पंत ने खुलासा किया है कि बाहरी दबावों के बावजूद भी एमएस धोनी के साथ उनकी दोस्ती टिकी रही। भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत ने पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ अपने गहरे रिश्ते के बारे में खुलकर बातचीत की है। इससे भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज के बीच एक अटूट बंधन के रूप में उम्मीद की किरण उभरी है। पंत ने कहा` कि बाहरी दबावों के बावजूद दोनों ने अपनी दोस्ती बनाए रखी। पंत ने पूर्व कप्तान के साथ अपने संबंधों की गहराई पर जोर देते हुए अपने संबंधों के बारे में गर्मजोशी से बात की। एक इंटरव्यू में पंत ने कहा कि मुझे हमेशा एमएस धोनी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताना मुश्किल लगता है।

ऐसे कुछ लोग हैं जिनके साथ आप खुलकर बात कर सकते हैं। मैं माही भाई के साथ हर चीज पर चर्चा करता हूं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैं उनके साथ उन चीजों पर बात करता हूं जिनके बारे में मैं अन्य किसी से बात नहीं करता हूं।

उम्मीदों के बोझ और लगातार जांच से जूझते हुए पंत ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में महान एमएस धोनी की जगह विकेटकीपर के रूप में काम करने के दौरान हुई आलोचनाओं के बारे में बात की। कुछ ने पांच मैच खेले हैं और कुछ ने 500 मैच खेले हैं। यह इतनी लंबी यात्रा रही है, इतने उतार-चढ़ाव रहे हैं, इसलिए तुलना उचित नहीं है। मुझे वास्तव में बहुत बुरा लगता था। मैं अपने कमरे में वापस जाता था और 20-21 साल की उम्र में रोता हूं।

तनाव में, मैं सांस नहीं ले पा रहा था। इतना दबाव था और मुझे नहीं पता था कि क्या करूं। मैं मोहाली में एक स्टंपिंग करने से चूक गया और भीड़ ने धोनी-धोनी के नारे लगाने शुरू कर दिए।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय क्रिकेट टीम में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा` कि शुरुआत में, मैं बहुत छोटा था, और वहाँ बहुत सारे वरिष्ठ खिलाड़ी थे, वास्तव में उनमें से युवराज सिंह, एमएस धोनी वहाँ थे, सभी वरिष्ठ हैं। इसमें कुछ समय लगता है, लेकिन मुझे उनके अति वरिष्ठ होने का एहसास नहीं मिला। उन्होंने ओ खिर में कहा कि धोनी उन्होंने बहुत अच्छा व्यावहार करते हुए मुझे बहुत सहज बनाया। वे हर नए खिलाड़ी को बहुत सहज बनाते हैं और यही भारतीय टीम की खासियत भी है।

पीटरसन ने एक्स पर कैलिस से की शुभमन गिल की तुलना

नई दिल्ली ।

इंगलैंड के पूर्व स्टार क्रिकेटर केविन पीटरसन ने एक्स पर लिखकर शुभमन गिल की तुलना कैलिस से की है। उनका मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में हालिया संघर्षों के बावजूद शुभमन गिल चीजें बदल सकते हैं। युवा बल्लेबाज दूसरे टेस्ट की पहली पारी में अच्छी लय में दिख रहे थे लेकिन तभी एक खराब शॉट के कारण उन्हें अपना विकेट गंवाना पड़ा था। बता दें कि शुभमन ने 46 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 34 रन बनाए थे। उन्होंने पहले मैच में 23 और 0 का स्कोर किया था। इसके बाद क्रिकेट फैंस उन्हें प्लेइंग 11 से हटाने की बात कर रहे थे। हालों कि केपी ने शुभमन के लए एक्स पर लिखा- कैलिस ने अपने पहले 10 टेस्ट मैचों में 22 की औसत से रन बनाए और यकीनन वह इस खेल को खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ी साबित हुए। कृपया इसे ढूंढने के लिए शुभमन को समय जरूर दें। वह एक गंभीर खिलाड़ी है। इतना ही नहीं पीटरसन ने जायसवाल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि जायसवाल के साथ किसी और को रन बनाने की ललक होनी चाहिए थी और तब यह पूरी तरह से अलग कहानी हो सकती थी। भारत उम्मीद कर रहा होगा कि अश्विन कोशिश कर सकते हैं और वह व्यक्ति बन सकते हैं जिसे अन्य बल्लेबाजों में से एक होना चाहिए था। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि पहले दिन पिच पर कोई ग्रेमलिन नहीं था। उन्होंने कहा कि यह उछाल समान था और कोई भी अजीब स्पिन उस दौरान नहीं थी।

चेन्नई ओपन में भारत को सुमित नागल से रहेंगी उम्मीदें

नई दिल्ली । सुमिल नागल 1,33,250 डॉलर इनामी राशि वाले चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर 100 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार होंगे। चेन्नई ओपन रविवार से शुरु होगा और इसके एकल मुख्य ड्रा में 32 खिलाड़ी और युगल में 16 जोड़ियां हार्डकोर्ट पर उतरेंगी। नागल ने पिछले महीने ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीयता प्राप्त एलेक्जैंडर बुलब्लिक को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। इससे उनके हौंसले बुलंद हैं। वह अभी विश्व रैंकिंग में 121 वें स्थान पर हैं। वहीं रामकुमार रामनाथन और मुकुंद शशिकुमार पुरुष एकल में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे जबकि युगल वर्ग में भारत के अर्जुन काधे और जीवन नेदुनचेझियान को शीर्ष वरीयत दी हैं। वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को मुख्य ड्रा के लिए वाइल्डकार्ड के जरिये प्रवेश दिया गया है। इस टूर्नामेंट में 14 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और इटली के लुका नार्डी शीर्ष को पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता दी गयी है। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल नहीं खेलेंगे।

घरेलू क्रिकेट में भागीदारी करने के बाद रजत पाटीदार को मिला इंटरनेशलन खेलने का मौका

नई दिल्ली ।

घरेलू क्रिकेट में भागीदारी करने के बाद रजत पाटीदार को इंटरनेशलन क्रिकेट खेलने का मौका मिला है। बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दौरान दो खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। टीम इंडिया की ओर से 30 वर्षीय रजत पाटीदार को इंटरनेशनल क्रिकेट में पर्दापण का मौका मिला वहीं इंग्लैंड के लिए 20 साल के स्पिनर शोएब बशीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शुरुआत की। बता दें कि रजत पाटीदार लंबे समय से डोमेस्टिक क्रिकेट में रन बना रहे थे। उनका कहना है कि उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार कर लिया था, इसलिए उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान बैटिंग करते समय किसी तरह का कोई दबाव महसूस नहीं हुआ। साल 2015 में मध्य प्रदेश के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रजत को मैच से एक दिन पहले ही अंतिम एकादश में खुद के शामिल होने के बारे में पता चला।

मैच में इंडिया ए के लिए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ लगातार शतक जड़ने वाले पाटीदार ने 72 गेंद का सामना करते हुए 32 रन बनाए। पाटीदार ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि यह मेरे लिए सपना सच होने वाला पल था। देश का प्रतिनिधित्व करना हर खिलाड़ी का सपना होता है। क्रीज पर जाते हुए कोई दबाव नहीं था क्योंकि मैं घरेलू क्रिकेट में काफी मैच खेल चुका हूं। मैं बीती रात अच्छी तरह सोया। यह मेरे लिए सामान्य दिन था। इस दौरान रजत पाटीदार को डेब्यू कैप टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने दिया। पाटीदार अपनी छोटी पारी के दौरान गेंद को खूबसूरती से

रिवर्स स्वीप कर रहे थे। मैच के दौरान रजत पाटीदार ने यशस्वी जायसवाल की नाबाद 179 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम लंबे समय तक खेलने के बारे में बात कर रहे थे। मेरी पारी अच्छी थी लेकिन मुझे इसे बड़ा करना होगा। पाटीदार ने कहा कि यशस्वी काफी अच्छा खिलाड़ी है, वह जिस तरह गेंदबाजों को धुनता है, वह काबिलेतारीफ है।' बता दें कि यशस्वी की दमदार पारी के दम पर भारतीय टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर 6 विकेट पर 336 रन बना लिए हैं।

एंडरसन बने भारत में टेस्ट खेलने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज

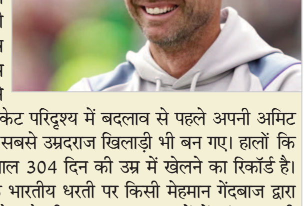

विशाखापत्तनम । इंग्लैंड के गेंदबाज जेम्स एंडरसन भारत में टेस्ट खेलने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 72 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। 41 वर्षीय एंडरसन ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ ने 1952 के बाद से भारत में टेस्ट खेलने वाले सबसे उम्रदराज तेज गेंदबाज का खिताब अपने नाम किया था। जब अमरनाथ ने अपना आखिरी टेस्ट मैच ईडन गार्डन्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेला तब उनकी उम्र 41 साल और 92 दिन थी। एंडरसन और अमरनाथ के साथ सूची में रे लिंडवाल, शुट बनर्जी और गुलाम गार्ड जैसे प्लेयर्स के नाम भी शामिल थे जिनमें से सभी ने 1961 में क्रिकेट परिदृश्य में बदलाव से पहले अपनी अमिट छाप छोड़ी थी। एंडरसन अब भारत में टेस्ट खेलने वाले पांचवें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए। हालों कि जिम्बाब्वे के खिलाड़ी जॉन ट्राईकोस के नाम 1993 में 45 साल 304 दिन की उम्र में खेलने का रिकॉर्ड है। एंडरसन के नाम एक और उल्लेखनीय उपलब्धि यह भी है` कि भारतीय धरती पर किसी मेहमान गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड शामिल है। भारतीय क्रिकेट के तीन अलग-अलग युगों में, एंडरसन की गेंदें दिग्गजों के लिए महंगी पड़ी हैं। 14 टेस्ट मैचों में एंडरसन ने 35 विकेट हासिल किए हैं। हालों कि तब सचिन तेंदुलकर का दबदबा था, ले किन एंडरसन ने तेंदुलकर को नौ बार आउट किया, विराट कोहली के युग में भी उन्होंने सात बार भारतीय कप्तान का बेशकीमती विकेट हासिल किया है।

शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पंशेरिया ने 35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सरथाना सिंह सर्कल से आउटर रिंग रोड तक 2 किमी लंबी प्रतिष्ठित सड़क का उद्घाटन किया

सूरत।
सूरत नगर निगम द्वारा 35 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर सरथाना में सिंघासरकल जंक्शन से शिव प्लाजा - व्रज एंटोनिया तक बाहरी रिंग रोड को जोड़ने वाली दो किमी लंबी प्रतिष्ठित सड़क का उद्घाटन शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने किया। इस अवसर पर महापौर दक्षेशभाई मवानी उपस्थित थे।

सूरत को आधुनिक प्रतिष्ठित सड़क मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और दृढ़ नेतृत्व के कारण गुजरात हर क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है। आम नागरिकों के कल्याण की योजनाएं हों या विश्वस्तरीय विकास परियोजनाएं, ये प्रधानमंत्री के दो दशक के सुशासन का परिणाम है।

यह कहते हुए कि सूरत शहर भविष्य में विकास का रोड मॉडल बनेगा, शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा विभाग को बजट में कुल 55,114 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। कहा गया कि अगले 5 साल में दो लाख बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में मुफ्त हॉस्टल की व्यवस्था की जायेगी.

सरसाना सिंह सर्कल से 90 मीटर, सूरत के प्रवेश द्वार के समान। सूरत को एक और तोहफा मिलेगा क्योंकि आउटर रिंग रोड को जोड़ने वाली 60 मीटर चौड़ी दो किलोमीटर सड़क को एक प्रतिष्ठित सड़क के रूप में विकसित किया जाएगा। इस सड़क पर नागरिकों को समायोजित करने के लिए सार्वजनिक फुटपाथ और स्ट्रीट फर्नीचर के साथ-साथ बीआरटीएस सुविधाएं, पैदल मार्ग, सर्विस रोड, साइकिल ट्रैक और स्ट्रीट फर्नीचर बनाए जाएंगे। लगभग दो कि.मी. इस लंबी सड़क के दोनों किनारों पर 3 मीटर के फुटपाथ बनाए जाएंगे और सड़क के मुख्य कैरिजवे की चौड़ाई 9 मीटर होगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रतिष्ठित सड़क पर थीम आधारित परिदृश्य और सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण किया जाएगा और राज्य सरकार सड़क विस्तार और उन्नयन की दिशा में भी काम कर रही है।

इस अवसर पर महापौर दक्षेशभाई मवानी ने कहा कि गुजरात सरकार ने हर क्षेत्र में समानांतर विकास को प्राथमिकता दी है और कहा कि निकट भविष्य में सूरत शहर को एक प्रतिष्ठित सड़क का उपहार दिया जाएगा। सूरत में सड़क, ट्रेन, बंदरगाह और हवाई कनेक्टिविटी के बेहतरीन बुनियादी ढांचे के कारण देश और दुनिया के लोग व्यापार, उद्योग और निवेश के लिए गुजरात के साथ-साथ सूरत को भी चुन रहे हैं।

इस अवसर पर नगरसेवक सर्वश्री स्वातिबेन क्याडा, विपुलभाई मोवलिया, कनुभाई गेडिया, शहर उपाध्यक्ष लक्ष्मणभाई कोराट, महासचिव, संगठन के पदाधिकारी, सूरत नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सरसाणा कंवेशन सेंटर में BNI ग्रेटर सूरत द्वारा आयोजित BNI बिजनेस कॉन्क्लेव 2024 की भव्य शुरुआत

सुरत भुमि, सूरत। BNI ग्रेटर सूरत द्वारा आयोजित BNI बिजनेस कॉन्क्लेव 2024 की शनिवार सुबह सरसाना स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स के कन्वेंशन सेंटर में भव्य शुरुआत हुई। आमंत्रित मुख्य अतिथि ने कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। इसके बाद कि नोट स्पीकर के तौर पर उपस्थित बॉलीवुड अभिनेता बोमन ईरानी ने प्रेरक वक्तव्य दिया। यह बिजनेस कॉन्क्लेव स्टीम हाउस इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत और ऐविमी हर्बल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित की गई है। कॉन्क्लेव के दौरान शनिवार को दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें बिजनेस मीट के साथ ही मास्टर क्लास लगाई गई। जिसमें उपस्थित विशेषज्ञों ने बिजनेस को लेकर अपने अनुभव पेश करने के साथ ही बिजनेस के गुर सिखाए। व्यावसायिक अर्थव्यवस्था में विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, BNI ग्रेटर सूरत ने उद्योग के विकास और सकारात्मक बदलाव के लिए प्रभावशाली मंच बनाने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कॉन्क्लेव का उद्देश्य टेक्सटाइल और ट्रैवल क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए सहयोग करने, विचारों का आदान- प्रदान करने और नए व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए एक गतिशील स्थान बनाना है। BNI बिजनेस कॉन्क्लेव विभिन्न उद्योगों के 220+ प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ अब तक के सबसे बड़े व्यावसायिक कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए तैयार हो रहा है। पूरे भारत से 70 से अधिक शहरों के 10,000 से अधिक उद्यमी और प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। व्यवसाय वृद्धि और नेटवर्किंग के अवसरों की तलाश करने वाले उद्यमियों के लिए यह कार्यक्रम अवश्य शामिल होने वाला कार्यक्रम बन गया है। अपने व्यावसायिक क्षितिज का विस्तार करने का यह असाधारण अवसर न चूकें।

कलेक्टर आयुष ओक को भावभीनी विदाई: सूरत के नवनियुक्त कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी का जिला प्रशासन की ओर से जोरदार स्वागत किया गया

सूरत । सूरत जिले में दो साल सात महीने तक उत्कृष्ट कार्य करने के बाद स्थानांतरित कलेक्टर श्री आयुष ओक का विदाई समारोह और नवनियुक्त कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जिले के आला अधिकारियों व कर्मचारियों ने उपस्थित होकर शुभकामनाएं दी। श्री आयुष ओक को वलसाड कलेक्टर के रूप में उनके स्थानांतरण पर वरिष्ठ अधिकारियों, जिला प्रशासन के कर्मचारियों द्वारा कुमकुम तिलक, शॉल ओढ़ाडी और स्मृति चिन्ह के साथ भावभीनी विदाई दी गई। साथ ही नवनियुक्त कलेक्टर का जिला प्रशासन द्वारा जोरदार स्वागत कर सम्मान किया गया.

इस अवसर पर कलेक्टर श्री आयुष ओके ने कहा कि सूरत के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से उन्होंने टीम वर्क की भावना से अपना ढाई साल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया है और उन सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। काम के दौरान घर-परिवार का सहयोग, मानसिक और पारिवारिक शांति को भी जरूरी बताते हुए इस बात पर जोर दिया गया कि स्वस्थ मन और शरीर से उत्पादक कार्य किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जिले में हलपति समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और पहचान के आवश्यक प्रमाण दिलाने के लिए छह माह का अभियान चलाकर बड़ी संख्या में उदाहरण देने के साथ-साथ बच्चों के लिए पहचान पत्र बनाने का कार्य भी किया जायेगा. सामाजिक सुरक्षा के तहत अनाथालयों की स्थापना यादगार रही है। इस मौके पर उन्होंने कर्ज स्वीकार किया और ड्यूटी के दौरान मदद करने वाले प्रशासनिक तंत्र के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया.

नवनियुक्त कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी ने कहा कि राज्य की आर्थिक राजधानी सूरत के विकास और शहरीकरण से प्रशासनिक सेवाओं और संचालन में भी वृद्धि हुई है। पूर्व कलेक्टर आयुष ओक और वे स्वयं 2011 के आईएएस बैचमेट हैं, इसलिए हम अच्छे दोस्त भी हैं। आयुष ने यहां जो बेहतरीन काम किया है, उसे देखते हुए विशाल सूरत जिला मेरे लिए 'फिट के लिए बड़े जूते' (छोटे पैरों के लिए बड़े जूते) है। परन्तु श्री आयुष ओक से प्रेरणा लेकर उन्होंने सशक्त एवं उत्कृष्ट कर्तव्य का पालन कर नागरिकों की आशाओं एवं अपेक्षाओं को पूर्ण करने तथा जिले के सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव प्रयास करने का दृढ़ संकल्प लिया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री शरद सिंघल, डी.जी.वी.सी.एल. के एम.डी. योगेश चौधरी ने सामयिक संबोधन दिया और कलेक्टर के साथ किए गए कार्यों को याद किया। इन अधिकारियों ने जवाब दिया कि श्री आयुष ओक की सेवा के दौरान जनता, अधिकारियों-कर्मचारियों और पदाधिकारियों के प्रति उनकी दयालुता, सादगी और उत्कृष्ट जनसेवा की भावना को हमेशा याद रखा जाएगा।

जिला पुलिस प्रमुख श्री हितेश जोयसर ने कहा कि आपसी समन्वय से कई सार्वजनिक कार्यों को प्राथमिकता देकर प्रशासनिक कार्यों को बहुत अच्छे से पूरा किया गया है। विधानसभा चुनाव, सूदखोरों के खिलाफ अभियान चलाकर और कानूनी कार्रवाई कर 3 हजार लोगों को 100 करोड़ से अधिक की ऋण सहायता दी गई है। युवा, उत्साही, सदैव जागरूक, आवेदकों की जिज्ञासाओं के समाधान के लिए निरंतर कार्यरत एवं सहयोगात्मक कार्यों में ईमानदार अधिकारी के रूप में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है।

इस अवसर पर रेजिडेंट एडिशनल कलेक्टर श्री विजय रबारी ने कलेक्टर श्री आयुष ओक के कार्यकाल के दौरान किये गये कार्यों की जानकारी दी और कहा कि वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे, डीएफसीसी, बुलेट ट्रेन और मेट्रो रेल परियोजना के लिए 5.60 लाख वर्ग मीटर सरकारी जमीनों का आवंटन और निजी जमीनों का अधिग्रहण कर मालिकों को चार हजार करोड़ की राशि का भुगतान किया गया है।

पिछले साल नए सिविल में लायंस कैंसर डिटेक्शन सेंटर में 4,000 से अधिक कैंसर रोगियों का इलाज किया गया: 1,951 महिलाएं और 2,131 पुरुष

सूरत। लायंस कैंसर डिटेक्शन सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर (एमडी) डॉ. संजय नंदेश्वर ने कहा कि च्इलाज से बेहतर बचाव हैज् और 4 फरवरी को मनाए जाने वाले च्विश्व कैंसर दिवसज् के तहत लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक कर संदेश दिया।

डॉ. नंदेश्वर ने कैंसर जागरूकता और प्राथमिक निदान के लिए जन जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका को समझाते हुए कहा कि कैंसर रोग का शुरुआती चरण में पता चल जाने से इसे खत्म करने का इलाज सफल हो जाता है।

कैंसर शरीर के विभिन्न अंगों में ट्यूमर के रूप में कोशिकाओं की अनियमित और अनियंत्रित वृद्धि है। जो अन्य स्वस्थ कोशिकाओं को नष्ट करके अपने आप बढ़ने लगता है। ऐसी अनियंत्रित हानिकारक कोशिकाओं से बना ट्यूमर धीरे-धीरे शरीर के अन्य अंगों में फैल जाता है और उन अंगों को नष्ट कर देता है।

डॉ. नंदेश्वर (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट) ने कैंसर रोग के बारे में जानकारी दी और बताया कि नशे की लत, अनियमित जीवनशैली, जंक फूड, पैकेटबंद फूड, हानिकारक रासायनिक स्वाद और सिंथेटिक रंग सहित अनाकर्षक उत्पादों का सेवन, अनियमित व्यावसायिक आदतों के कारण कैंसर का खतरा बढ़ रहा है। और वंशानुगत कारण।

अनियमित शारीरिक परिवर्तन जिनमें स्पष्ट बीमारी के बिना लगातार वजन कम होना, हीमोग्लोबिन और थकान में लगातार गिरावट, शरीर के किसी भी हिस्से में लंबे समय तक घाव/सूजन/ दर्द या गांठ, शरीर के किसी भी हिस्से से लंबे समय तक रक्तस्राव, द्रव्यमान में अनियमित परिवर्तन या रक्तस्राव शामिल हैं।

डॉ. नंदेश्वर ने कैंसर के प्राथमिक संभावित लक्षणों के बारे में जानकारी दी और उचित निदान के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर से जांच कराने की सलाह दी। साथ ही रोग के उपचार में उपयोगी सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन (सेक), इम्यूनोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी और ब्रैकीथेरेपी सहित विशिष्ट तरीकों और उनके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होंने लोगों से स्वस्थ जीवन के लिए पौष्टिक भोजन के नियमित सेवन, व्यायाम, तनाव मुक्त अनुशासित जीवन, दैनिक स्वच्छता, व्यसन मुक्त और समय-समय पर शारीरिक जांच को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

महिलाओं, पुरुषों और बच्चों में कैंसर के बढ़ते मामलों के बारे में बात करते हुए लायंस कैंसर डिटेक्शन सेंटर के अतिरिक्त निदेशक डॉ. अंशुल अग्रवाल (मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट) ने शीघ्र निदान और रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी। महिलाओं में ज्यादातर पाए जाने वाले स्तन कैंसर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं को बिना किसी पूर्वाग्रह के 1 वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान कराने और नियमित रूप से स्वयं जांच करने से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। साथ ही 40 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं से नियमित मैमोग्राफी स्तन जांच कराकर कैंसर के खतरे को कम करने का अनुरोध किया गया।

नवी सिविल स्थित कैंसर जांच केंद्र में पिछले साल 1951 महिलाएं और 2131 पुरुष पाए गए और फेफड़े, हड्डी, सिर और गला, जीभ, गर्भाशय, मुंह, पेट, अंडाशय सहित कुल 4000 से अधिक कैंसर रोगियों का इलाज किया गया। स्तन, स्वर रज्जु, ग्रासनली, विभिन्न प्रकार के कैंसर में पेट, अग्न्याशय, यकृत, पित्ताशय, बृहदान्त्र, गर्भाशय, गुर्दे, प्रोस्टेट और रक्त शामिल हैं।

कैंसर मरीज़ों को भोजन कराया एवं सहयोग राशि दी

सुरत भुमि, सूरत।
ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप (बी कैग) द्वारा विश्व कैंसर दिवस के मौक़े पर शनिवार को सिविल अस्पताल के कैंसर डिटेक्शन सेंटर में एक कैंसर जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में डॉ मुकेश पराशर ने कैंसर से बचाव, जल्दी डायग्नोसिस के महत्व के बारे में बताया एवं उनके द्वारा कैंसर पर लिखी पुस्तक स्पार्क ऑफ लाइफ का वितरण किया। आयोजन में कैंसर मरीज़ों को खाना खिलाया गया, ज़रूरी दवाइयों के लिए सहयोग राशि दी गई। आयोजन में ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप की पूनम पाराशर के अलावा मुकेश शाह, अशोक क़ानूनगो सहित अनेकों लोग उप-स्थत रहें।

भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता ने 2023 में सोने की मांग और कीमतों को मजबूत किया

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक वार्षिक सोने की मांग (ओटीसी को छोड़कर) वर्ष 2023 में वर्ष 2022 के मुकाबले 5त्न गिरकर 4,448 टन हो गई। और जब ओटीसी बाजारों को अन्य स्रोतों से मांग के साथ जोड़ा गया तब कुल मांग ने 4,899 टन के एक नए वार्षिक रिकॉर्ड को बनाया। मांग के इस स्रोत से निवेश ने वर्ष 2023 के वार्षिक औसत सोने की कीमत के नए रिकॉर्ड बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के सीनियर मार्केट्स ऐनालिस्ट लुईस स्ट्रीट ने बताया: "केंद्रीय बैंकों की बढ़ती मांग के कारण इस साल फिर से सोने की मांग में बहार आ गई है और साथ ही बाजार के बाकी क्षेत्रों की मंदी को कवर भी किया गया है। जिससे वर्ष 2023 की मांग दस साल से बरकरार औसत मांग से ऊपर बनी हुई है। मौद्रिक नीति के साथ - साथ भू-राजनीतिक अनिश्चितता का भी अक्सर सोने की मांग पर गहरा असर पड़ता है और वर्ष 2024 में हमें उम्मीद है कि इसका बाजार पर साफ असर दिखेगा। दुनिया भर में 60 से भी ज़्यादा जगहों पर हो रहे चुनावों, व्यापार तनाव और संघर्षों के बीच निवेशकों को सुरक्षित संपत्ति के रूप में उनके पुराने तरीके यानी सोने में निवेश की ओर रुख करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। हम जानते हैं कि केंद्रीय बैंक अक्सर संकट के समय सोने को खरीदने का कारण उसकी अच्छी परफॉर्मेंस बताते हैं, जिससे पता चलता है कि उस वर्ष इस क्षेत्र में मांग बढ़ेगी जिससे सोने की ऊंची कीमतों और धीमी आर्थिक वृद्धि के कारण उपभोक्ता की मांग में कमी को दूर करने में मदद मिल सकती है।"

वर्ष 2022 से केंद्रीय बैंक की खरीदारी का सिलसिला तेज़ी से जारी रहा। पिछले वर्ष मांग दूसरे नंबर का रिकॉर्ड कायम करते हुए कुल 1,037 टन तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष के मुकाबले सिर्फ 45 टन कम है।

बिसलेरी इंटरनेशनल ने 12 घंटे में रीसाइक्लिंग के लिए 79.73 टन प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा करके एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

गुजरात । भारत की अग्रणी पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल ने 12 घंटे की उल्लेखनीय समय सीमा के भीतर 79.73 टन प्लास्टिक की बोतलें एकत्र करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। यह असाधारण उपलब्धि अपनी प्रभावी पहल, बिसलेरी ग्रीनर प्रॉमिस के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति बिसलेरी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

बिसलेरी इंटरनेशनल ने पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर के साथ मिलकर तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक मेगा कलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया और 2018 में ब्रूहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) द्वारा एकत्र की गई 33.35 टन प्रयुक्त प्लास्टिक की बोतलों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। संग्रह के प्रयास में पीएसजी कॉलेज के छात्रों, कर्मचारियों, बिसलेरी 'बॉटल्स फॉर चेंज' टीम, अन्य शैक्षणिक संस्थानों, हाउसिंग कॉलोनियों के निवासियों, कॉर्पोरेट घरानों और कोयंबटूर भर में सार्वजनिक स्थानों से संग्रह की उत्साही भागीदारी देखी गई।

इस माइलस्टोन पर विचार करते हुए, श्री के गणेश, वरिष्ठ महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट मामले और मुख्य स्थिरता अधिकारी, बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, "बिसलेरी ग्रीनर प्रॉमिस के तहत बॉटल्स फॉर चेंज कार्यक्रम के माध्यम से, हमने एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। ने न केवल प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के बारे में व्यापक जागरूकता जगाई है। इस पहल की सफलता जागरूकता बढ़ाने और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारी महत्वाकांक्षा इस प्रभावशाली पहल को अन्य शहरों में विस्तारित करना है, जिसमें अधिक से अधिक लोग शामिल हों।"

बिसलेरी का च्बॉटल्स फॉर चेंजज् कार्यक्रम एक चक्रीय अर्थव्यवस्था के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक के मूल्य और इसके पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग की क्षमता के बारे में जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। यह सफाई और छंटाई के बाद प्लास्टिक के जिम्मेदार निपटान के प्रति व्यवहार को बदलता है। कार्यक्रम सभी हितधारकों - छात्रों, परिवारों, कॉर्पोरेट्स और रीसाइक्लिंग उद्योग को शामिल करते हुए सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। बिसलेरी सामग्री को सीधे रीसाइक्लिंग के लिए भेजने की सुविधा भी देता है, जिससे उन्हें लैंडफिल में जाने से रोका जा सके। और हम समाज के लिए उपयोगी वस्तुओं में उपयोग किए गए प्लास्टिक के मूल्यवर्धित पुन: उपयोग के लिए पुनर्चक्रणकर्ताओं के साथ काम करते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)